राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण बुधवार, 19 अक्टूबर 2022 वर्ष–5,अंक–263 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

डिफेंस में बड़ी छलांग की तैयारी, इन देशों को 35 हजार करोड़ का एक्सपोर्ट करेगा भारत

नई दिल्ली। भारत ने बीते कुछ सालों में रक्षा क्षेत्र में ऊंची छलांग लगाई है और अब आने वाले सालों में इसमें और इजाफा होने की तैयारी है। भारत की ओर से अफ्रीका समेत दुनिया के कई देशों को 35,000 करोड़ रुपये तक के हथियार और ड्रोन्स आदि बेचे जाने की तैयारी है। डिफेंस एग्जिबिशन से इतर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इन तैयारियों के बारे में जानकारी दी है। इस प्रदर्शनी में भारत स्वदेश में बने हथियारों, उभरती तकनीकों पर अपनी रिसर्च और स्वार्म ड्रोन्स जैसे उपकरणों की ताकत दुनिया को दिखाएगा। इसके अलावा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के मामले में भी भारत ने बड़ी सफलता हासिल की है। अब भारत की कोशिश है कि इन हथियारों और तकनीकों को हिंद महासागर के देशों और अफ्रीकी मुल्कों को निर्यात किया जाए। इसी कड़ी में भारत की तैयारी है कि 2025 तक यह निर्यात 35,000 करोड़ रुपये तक बढ़ा लिया जाए। अफ्रीकी देशों के अपने समकक्षों से बातचीत में जुटे राजनाथ सिंह ने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि 2025 तक इस बड़े आंकड़े को हासिल किया जाए। बीते साल भी भारत ने 13,000 करोड़ रुपये की रक्षा सामग्री का निर्यात किया था। डिफेंस सेक्रेटरी अजय कुमार ने कहा कि इस साल के एक्सपो में कुल 451 एग्रीमेंट्स पर साइन होने वाले हैं। इनमें प्रोडक्ट्स की लॉन्चिंग और टेक्नोलॉजी ट्रांसफर शामिल है। मंगलवार को शुरू हुए एक्सपो से पहले राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत दुनिया के सबसे बड़े हथियार आयातक देश से आगे निकलते हुए टॉप 25 निर्यातकों में शामिल होने में सफलता पाई है।

इस बार सिर्फ भारतीय कंपनियों की होगी प्रदर्शनी

राजनाथ सिंह ने कहा कि निजी और सरकारी क्षेत्र मिलकर काम करेंगे तो आने वाले समय में हमारा निर्यात और तेजी से बढ़ेगा।

पीएम मोदी छोटी दिवाली पर जाएंगे अयोध्या, रामलला के दर्शन के साथ दीपोत्सव में होंगे शामिल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी छोटी दिवाली यानी 23 अक्टूबर को अयोध्या में होंगे। रामलला के दर्शन के साथ ही सरयू घाट पर आरती, राम की पैड़ी पर होने वाले भव्य दीपोत्सव में शामिल होंगे।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी छोटी दिवाली यानी 23 अक्टूबर को अयोध्या में होंगे। वह वहां रामलला के दर्शन और पूजा अर्चना के साथ ही सरयू घाट पर आरती और राम की पैड़ी पर होने वाले भव्य दीपोत्सव कार्यक्रम में शामिल होंगे। पीएम मोदी का कार्यक्रम जारी हो गया है। इसके मुताबिक पीएम 23 अक्टूबर को शाम 4:55 बजे भगवान रामलला विराजमान का दर्शन और पूजन करेंगे। शाम 5:05 बजे पीएम रामजन्भूमि तीर्थक्षेत्र साइट का दौरा करेंगे। शाम 5:40 बजे भगवान राम का राज्याभिषेक करेंगे। शाम 6:25 बजे पवित्र सरयू नदी के घाट पर आरती करेंगे। इसके बाद शाम 6:40 बजे दीपोत्सव कार्यक्रम में शामिल होंगे। शाम 7:25 बजे पीएम ग्रीन और डिजिटल आतिशबाजी का नजारा भी देखेंगे।

अयोध्या में दीपोत्सव का बनेगा नया विश्व रिकार्ड

अयोध्या में छठे दीपोत्सव की तैयारी जोरशोर से चल रही है। इस दीपोत्सव साढ़े 14 लाख दीप जलाकर 23 अक्टूबर को नया वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया जाएगा। यह रिकॉर्ड गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड के तौर पर दर्ज किया जाएगा। बता दें कि पिछले साल अयोध्या राम की पैड़ी में 9,41,551 दीप जलाकर विश्व रिकॉर्ड बनाया गया था। इस रिकॉर्ड को महाशिवरात्रि पर उज्जैन में शिप्रा नदी के किनारे 11 लाख 71 हजार 78 दीप जलाकर तोड़ा गया। अब 23 अक्टूबर को रामनगरी अयोध्या में एक बार फिर नया वर्ल्ड रिकॉर्ड 14.50 लाख दीपों का बनेगा। इसके लिए बड़े पैमाने पर तैयारियां की जा रही हैं।

2017 में हुई थी दीपोत्सव की शुरुआत –2017 में यूपी में पूर्ण बहुमत से बीजेपी की सरकार बनने और योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्री बनने के बाद अयोध्या में दीपोत्सव की शुरुआत की गई थी। पहले साल 51 हजार दीये जलाए गए थे। तबसे हर साल दीयों की संख्या बढ़ती जा रही है। 2018 में 3,01152 दीये जलाए गए। 2019 में इस दीपोत्सव कार्यक्रम को प्रांतीय स्तर का मेला घोषित किया गया। 2019 में 5,50,000 दीप जलाए गए। 2020 में 6,06,569 दीप जलाए गए और 2021 में 9,41,551 दीये जलाए। अब 2022 में 10.50 लाख दीये जलाकर नया विश्व रिकॉर्ड बनाया जाएगा।

जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ नौ नवंबर को लेंगे शपथ

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ को देश का अगला चीफ जस्टिस नियुक्त किया है। वे 9 नवंबर को देश के 50वें चीफ जस्टिस के रूप में शपथ लेंगे। उनका कार्यकाल 10 नवंबर 2024 तक होगा। वे जस्टिस यूयू ललित का स्थान लेंगे, जो 8 नवंबर को रिटायर हो रहे हैं। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ का पूरा नाम जस्टिस धनंजय यशवंत चंद्रचूड़ है। उनके पिता जस्टिस वाईवी चंद्रचूड़ भी CJI रह चुके हैं। वाईवी चंद्रचूड़ के नाम सबसे लंबे समय तक (1978 से 1985) CJI रहने का रिकॉर्ड है।

समलैंगिकता-अयोध्या मामलों की सुनवाई में शामिल रहे

जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ का जन्म 11 नवंबर 1959 को हुआ था। उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी से एलएलबी की। 1998 में उन्हें बॉम्बे हाईकोर्ट में सीनियर एडवोकेट के रूप में नामित किया गया था। वे इलाहाबाद हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रह चुके हैं।

मई 2016 में उन्हें सुप्रीम कोर्ट में जज बनाया गया। वे सुप्रीम कोर्ट के मौजूदा सिटिंग जज हैं। वे सबरीमाला, समलैंगिकता, आधार और अयोध्या से जुड़े मामलों की सुनवाई में शामिल रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर में फिर हुई टारगेट किलिंग, ग्रेनेड हमले में यूपी के 2 मजदूरों की मौत; आतंकी गिरफ्तार

जम्मू–कश्मीर के शोपियां में आतंकवादियों द्वारा एक कश्मीरी पंडित की गोली मारकर हत्या करने के कुछ दिनों बाद उत्तर प्रदेश के कन्नौज के दो लोगों की एक ग्रेनेड हमले में मौत हो गई है।

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के शोपियां में आतंकवादियों द्वारा एक कश्मीरी पंडित की गोली मारकर हत्या करने के कुछ दिनों बाद उत्तर प्रदेश के कन्नौज के दो लोगों की एक ग्रेनेड हमले में मौत हो गई है। ये दोनों हरमन इलाके में रह रहे थे और हमले के दौरान सो रहे थे। कश्मीर जोन पुलिस ने मंगलवार को एक ट्वीट में कहा, आतंकवादियों ने हरमन में हथगोला फेंका, जिसमें यूपी के दो मजदूर मनीष कुमार और राम सागर घायल हो गए। उन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां उन्होंने दम तोड़ दिया। दोनों कन्नौज के रहने वाले थे। इलाके की घेराबंदी कर ली गई है। अगले ट्वीट में पुलिस ने बताया कि ग्रेनेड फेंकने वाले आतंकी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने कहा, शोपियां पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया शख्स प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा इमरान बशीर गनी का हाइब्रिड आतंकवादी है। आगे की जांच और छापेमारी चल रही है। इससे पहले 15 अक्टूबर को एक कश्मीरी पंडित पूरन कृष्ण भट की इस दक्षिण कश्मीर जिले के चौधरी गुंड में उनके घर के पास बहुत करीब से गोली लगने से मौत हो गई थी। स्थानीय लोगों के अनुसार, वह शोपियां में रह रहा था और कभी पलायन नहीं किया था। कश्मीरी पंडितों का प्रतिनिधित्व करने वाली संस्था कश्मीरी पंडित संघर्ष समिति ने अपने आधिकारिक हैंडल से कहा, ÷शोपियां में चौधरी गुंड में एक और कश्मीरी गैर प्रवासी की मौत हो गई। ग्राउंड जीरो पर कुछ भी नहीं बदला है। यह घटना अमित शाह के लिए संदेश है जिन्होंने कहा कि कश्मीर में अब सब कुछ ठीक है।

दिल्ली में 4 दिन चलेगी इंटरपोल महासभा, ट्रैफिक पुलिस ने जारी की एडवाइजरी

नई दिल्ली। प्रगति मैदान में अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक पुलिस संगठन (इंटरपोल) की 90वीं वार्षिक आम सभा के मद्देनजर मंगलवार को घोषित पाबंदियों के चलते दिल्ली में लोगों को यातायात जाम का सामना करना पड़ सकता है। भारत में यह बैठक करीब 25 साल के अंतराल के बाद हो रही है। इसे देश में आखिरी बार 1997 में आयोजित किया गया था। चार दिवसीय आम बैठक में कुल 195 देशों के प्रतिनिधिमंडल शामिल होंगे। महासभा का उद्घाटन मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शुक्रवार को समापन समारोह को संबोधित करेंगे।

इन रास्तों से जरा बचके–दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने एक परामर्श में कहा, ''महासभा में हिस्सा लेने वाले प्रतिनिधि सात होटल - द ललित, द इंपीरियल, शांगरी ला, ली मेरिडियन, द ओबेरॉय, हयात रीजेंसी और द अशोक में ठहरे हुए हैं और उनके प्रगति मैदान, जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम और हवाईअड्डा तक यात्रा करने की उम्मीद है। प्रतिनिधियों की यात्रा के दौरान सुगम मार्ग सुनिश्चित करने के मकसद से विभिन्न यातायात उपाय किए गए हैं। अशोका रोड, जनपथ, फिरोज शाह रोड, बाराखंभा रोड, सिकंदरा रोड, मथुरा रोड, भैरों रोड, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, डॉ जाकिर हुसैन मार्ग, राजेश पायलट मार्ग, डॉ एपीजे अब्दुल कलाम मार्ग, कमल अतातुर्क मार्ग पर वाहनों की संख्या को कम किया जाएगा। पंचशील मार्ग, शांतिपथ, महात्मा गांधी मार्ग, महर्षि रमन मार्ग, भीष्म पितामह मार्ग, सरदार पटेल मार्ग, धौला कुआं फ्लाईओवर, गुड़गांव रोड, मेहराम नगर टनल, एरोसिटी और टी3 एप्रोच रोड पर भी यातायात को विनियमित किया जाएगा । लुटियंस दिल्ली में वाहनों की संख्या में अपेक्षित वृद्धि के मद्देनज़र, यातायात पुलिस ने उक्त क्षेत्र के संस्थानों को सलाह दी थी कि वह अपने कर्मचारियों को घर से काम करने की अनुमति दें या चार दिन तक वैकल्पिक घंटे निर्धारित करें।

आतंकियों और ड्रग तस्करों की सांठगांठ पर प्रहार, दिल्ली से लेकर राजस्थान तक 40 जगहों पर एनआईए की रेड

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी मंगलवार को पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और दिल्ली-एनसीआर में कई स्थानों पर छापेमारी कर रही है। यह छापा भारत और विदेशों में स्थित आतंकवादियों, गैंगस्टर व ड्रग तस्करों के गठजोड़ को खत्म करने को लेकर मारा जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, देश के 40 अलग-अलग इलाकों में छापेमारी चल रही है। अधिकारियों ने बताया कि इस मामले में अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। पिछले 9 महीनों में सुरक्षा बलों ने पाकिस्तान से भारतीय सीमा में 191 ड्रोन्स की अवैध एंट्री रिपोर्ट की है। इससे देश की आंतरिक सुरक्षा को लेकर बड़ी चिंता खड़ी हुई है। भारत-पाकिस्तान सीमा पर तैनात सुरक्षा बलों के साथ केंद्र सरकार ने इस मामले में हाल ही में इनपुट शेयर किए हैं। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने सोमवार को भी पंजाब में भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर एक पाकिस्तानी ड्रोन को मार गिराया। रविवार को भी ऐसे ही एक ड्रोन को मार गिराया गया था जिसमें मादक पदार्थ था।

● **अधिकारियों ने बताया कि इस मामले में अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। पिछले 9 महीनों में सुरक्षा बलों ने पाकिस्तान से भारतीय सीमा में 191 ड्रोन्स की अवैध एंट्री रिपोर्ट की है। इससे देश की आंतरिक सुरक्षा को लेकर बड़ी चिंता खड़ी हुई है।**

जम्मू-कश्मीर के 8 जिलों में मारा गया छापा–इससे पहले एनआईए ने जम्मू-कश्मीर के 8 जिलों में छापे मारे और प्रतिबंधित संगठन जमात-ए-इस्लामी (जेईआई) के मुखौटा समूह अल-हुदा एजुकेशनल ट्रस्ट (एएचईडी) के प्रमुख मोहम्मद आमिर शमशी को गिरफ्तार कर लिया। एनआईए के प्रवक्ता ने बताया एएचईटी, राजौरी की कथित आपराधिक गतिविधियों से जुड़े मामले के सिलसिले में राजौरी, पुंछ, जम्मू, श्रीनगर, बांदीपोरा, शोपियां, पुलवामा और बडगाम में 18 स्थानों पर छापे मारे गए।

NIA ने 11 राज्यों में की थी छापेमारी–गौरतलब है कि बीते महीने एनआईए की अगुवाई में कई एजेंसियों ने 11 राज्यों में आतंकवाद के वित्त पोषण में शामिल संदिग्धों के ठिकानों पर छापेमारी की थी। इस दौरान पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया के कम से कम 106 कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने बताया कि सबसे अधिक गिरफ्तारियां केरल (22), महाराष्ट्र (20), कर्नाटक (20), आंध्र प्रदेश (5), असम (9), दिल्ली (3), मध्य प्रदेश (4), पुडुचेरी (3), तमिलनाडु (10), उत्तर प्रदेश (8) और राजस्थान (2) में की गईं।

दिल्ली की हवा होने लगी खराब, पटाखों और पराली से और बिगड़ेंगे हालात ! इस शहर का एक्यूआई सबसे कम

नई दिल्ली। दिल्ली में बीते कुछ सालों से सर्दियों के शुरुआती दिनों में हवा खराब होती रही है। दमघोंटू हवा और प्रदूषण के चलते लोगों को परेशानी उठानी पड़ती है। ऐसा ही कुछ इस बार भी होता दिख रहा है, दिवाली से पहले ही दिल्ली-एनसीआर समेत देश के कई शहरों की हवा खराब होने लगी है। मंगलवार को सुबह 7 बजे दिल्ली में एयर क्वॉलिटी इंडेक्स 245 दर्ज किया गया है, जिसे खराब श्रेणी में माना जाता है। इसके चलते दिल्ली वालों को सुबह के वक्त भी खराब हवा का सामना करना पड़ा। सोमवार को भी कुछ ऐसा ही माहौल था और औसत त्त्द्ध 237 बना रहा।

पटना की हवा में भी बढ़ा प्रदूषण, दूसरे नंबर पर

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक देश के 10 शहरों में सबसे खराब हवा दिल्ली की ही आंकी गई है। वेबसाइट के डेटा के मुताबिक दूसरे नंबर पर बिहार की राजधानी पटना है, जहां आज सुबह एयर क्वॉलिटी इंडेक्स 150 दर्ज किया गया। बड़े शहरों में सबसे साफ हवा बेंगलुरु की है, जहां एयर क्वॉलिटी इंडेक्स महज 45 ही दर्ज किया गया है। करीब एक महीने पहले दिल्ली-एनसीआर का भी ऐसा ही मौसम था और करीब 50 के आसपास ही त्त्द्ध बना हुआ था। लेकिन सर्दियों के मौसम के दस्तक देने से पहले ही हवा में प्रदूषण बढ़ने लगा है।

चीन से भारत आ रही नदियों पर अब होगा एक्शन, यह बना है प्लान

साफ हवा के मामले में बड़े शहरों में पहले नंबर पर बेंगलुरु है और उसके बाद अहमदाबाद, चेन्नै, हैदराबाद, जयपुर, मुंबई, लखनऊ और पुणे का नंबर है। भूविज्ञान मंत्रालय के मुताबिक अगले तीन दिनों तक दिल्ली में हवा खराब रहने वाली है। मौसम शुष्क रहने के चलते वायु प्रदूषण में इजाफा हो जाएगा, जिससे अक्टूबर के शुरुआती सप्ताह में बारिश के चलते राहत मिल गई थी। बता दें कि जीरो से 50 के बीच एक्यूआई को अच्छा माना जाता है। वहीं 51 से 100 के बीच को संतोषजनक और 101 से 200 के बीच औसत माना जा है। लेकिन 200 से 300 बीच एक्यूआई रहने को खराब माना जाता है।

AQI कितना रहना बेहतर, किसे मानते हैं चिंताजनक

यदि यह आंकड़ा 301 से 400 के बीच होता है तो उसे बेहद खराब और 401 से 500 के आसपास रहने पर बेहद खराब माना जाता है। अकसर दिल्ली, गाजियाबाद, गुरुग्राम और नोएडा जैसे शहरों में सर्दियों के मौसम में AQI 500 तक भी पहुंचता रहा है। लंबे समय तक ऐसी हवा में रहने से इंसान को सांस संबंधी बीमारियां भी हो सकती हैं। मौसम की बात करें तो मंगलवार को दिन भर दिल्ली में मौसम खुला रहेगा। मौसम विभाग के मुताबिक शहर में न्यूनतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है। इसके अलावा अधिकतम तापमान 28 डिग्री तक रहेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

हिंदी के मार्ग में सौ-सौ रोड़े

पहली तो यह कि कुछ लोगों ने हिंदी में प्रकाशित उन पुस्तकों का मजाक उड़ाया है। उन्होंने एकाध पुस्तक के कुछ पृष्ठों को प्रसारित करके बताया कि अनुवादकों ने कैसे हिंदी पर अंग्रेजी शब्दों को थोप रखा है और जो नमूना वे फेसबुक और इंटरनेट पर प्रचारित कर रहे हैं, उसका मूल सार यह है कि वह हिंदी की किताब नहीं है बल्कि हिंदी लिपि में छपी अंग्रेजी की ही किताब है।

(लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

इधर भोपाल में गृहमंत्री अमित शाह ने मेडिकल की तीन हिंदी किताबों का विमोचन किया, जो कि मेरी राय में बहुत ही महत्वपूर्ण एतिहासिक शुभारंभ है लेकिन उसके साथ ही दो विपरीत प्रवृत्तियां भी सामने आई हैं। पहली तो यह कि कुछ लोगों ने हिंदी में प्रकाशित उन पुस्तकों का मजाक उड़ाया है। उन्होंने एकाध पुस्तक के कुछ पृष्ठों को प्रसारित करके बताया कि अनुवादकों ने कैसे हिंदी पर अंग्रेजी शब्दों को थोप रखा है और जो नमूना वे फेसबुक और इंटरनेट पर प्रचारित कर रहे हैं, उसका मूल सार यह है कि वह हिंदी की किताब नहीं है बल्कि हिंदी लिपि में छपी अंग्रेजी की ही किताब है। वे जिस पृष्ठ को दिखा-दिखाकर यह बात कह रहे हैं, उसे देखकर उनकी बात ठीक भी लगती है। यह जो अनुवाद हुआ है, उसे मप्र के मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य-शिक्षा मंत्री यदि हिंदी के कुछ विद्वानो को पहले दिखवा लेते तो ठीक रहता लेकिन यह भी सराहनीय है कि अंग्रेजी की पढ़ाई में डूबे हुए डॉक्टरों ने कुछ न कुछ पहल इतने कम समय में कर ही डाली है। यदि मप्र सरकार के नेता और अफसर थोड़ी सावधानी बरतते तो उनसे यह चूक नहीं होती। यही हाल भोपाल के अटलबिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय का हुआ है। अब से लगभग एक दशक पहले मेरे और सुदर्शनजी के आग्रह पर भोपाल में यह विश्वविद्यालय खोला गया था। उसके प्रथम स्थापना दिवस भाषण में मैंने बताया था कि यह वि.वि. देश का सर्वश्रेष्ठ वि.वि. बनकर कैसे दिखा सकता है। यह ऑक्सफोर्ड, केम्ब्रिज, कोलंबिया और हार्वर्ड से भी आगे कैसे निकल सकता है। लेकिन इस दिशा में वह आज तक एक कदम भी आगे नहीं बढ़ सका है। किसी को कोई अफसोस नहीं है। जरुरी है कि हिंदी में हम जो भी काम करें, वह अंग्रेजी से बेहतर हो। यदि बेहतर न हो सके तो आप उसे करते ही क्यों हैं? मप्र सरकार ने मेडिकल किताबें हिंदी में बनाने की जो पहल की है, उस पर दूसरी आपत्तियां जोरदार शब्दों में बंगाल और दक्षिण भारत से उठ रही हैं। इन प्रांतों के कई डाक्टरी और शैक्षणिक संगठनों ने बयान जारी करके कहा है कि अंग्रेजी की किताबों के हिंदी अनुवाद में अर्थ का अनर्थ हो जाता है। डाक्टरी के धंधे में यह अनर्थ रोगी के लिए जानलेवा सिद्ध हो सकता है। यह तर्क कुछ हद तक ठीक है। इसका हल यह है कि हिंदी के मूलपाठ में या तो अंग्रेजी नामों को ज्यों का त्यों इस्तेमाल कर लिया जाए या कोष्ठकों में रख दिया जाए। जहां तक हिंदी माध्यम से पढ़े डॉक्टरों के विदेश जाने का सवाल हे, वे अंग्रेजी पर अपनी लार क्यों टपकाएँ? भारत में ही सेवा क्यों न करें? अंग्रेजी माध्यम से पढ़े डॉक्टरों पर सारा पैसा और परिश्रम भारत का खर्च होता है और विदेशों में जाकर वे पैसा कमाने में जुट जाते हैं। यदि हमारे डॉक्टर भारतीय भाषाओं के माध्यम से तैयार होंगे तो उनकी मौलिक बुद्धि भी विकसित होगी और वे देश के लोगों की सेवा भी ठीक से करेंगे। भारत में डॉक्टरों की जो भयंकर कमी है, वह भी पूरी हो जाएगी।

कार्टून

लॉफिंग ज़ोन

क्रिकेट के एक बल्लेबाज की नजर बहुत कमजोर थी, मैच से पहले उसका नजर का चश्मा कहीं खो गया. फिर भी वह तैयार होकर बल्लेबाजी करने उतरा. गेंद फैंकने वाला गेंदबाज माना हुआ फास्ट बाऊलर था. उसकी पांच गेंदें 'शूं' करके आईं और निकल गईं, उसे दिखाई ही नहीं दीं. छठी गेंद पर वह चिल्ला कर अम्पायर से बोला, 'यह क्या हो रहा है? बाऊलर पूरा रन-अप लेकर आता है और बिना गेंद फैंके ही वापस चला जाता है.'

☺ ☺ ☺

मुसाफिरों की सहूलियत के लिए जहाज का एक कर्मचारी रास्ते में खड़ा हिदायत दे रहा था, 'प्रथम श्रेणी दाईं ओर द्वितीय श्रेणी बाईं ओर.'

इतने में एक युवती एक बच्ची को गोद में उठाए पास से गुजरी. उसे जरा हिचकिचाते देखकर कर्मचारी उसके पास आकर बोला, 'पहली या दूसरी?'

लज्जाती हुई युवती बोली, 'मेरी नहीं, यह तो मेरी बड़ी बहन की है.'

☺ ☺ ☺

वन विभाग का एक कर्मचारी अपने डाक्टर मित्र से-'मैं जानवरों से बिल्कुल नहीं डरता. कल रात मेरे टैंट में एक शेर घुस आया था, मैंने पानी की बाल्टी उसके सिर पर डाल दी, वह भाग खड़ा हुआ.'

डाक्टर बोला, 'तुम ठीक कहते हो, वह शेर मेरे कमरे में छींकता हुआ जुकाम की दवाई लेने आया था.

हिन्दी में चिकित्सा शिक्षा की चुनौतियाँ

लेखक - राकेश कुमार वर्मा

नई शिक्षा नीति की अनुशंसाओं के साथ ही मातृभाषा से शिक्षण का प्रयास शुरू हो गया है। यह नीति अनेक उपाय सुझाती है जैसे स्थानीय भाषा में पाठ्यसामग्री का निर्माण, बहुभाषी शिक्षण की व्यवस्था, केन्द्र और राज्य सरकारों द्वारा स्थानीय भाषाओं के जानकार शिक्षकों की व्यवस्था, क्षेत्रीय प्रोद्योगिकी का उपयोग। इसके साथ ही विज्ञान और गणित की पाठ्य सामग्री यथांसभव द्विभाषी बनाई जायेगी जिसमें एक भाषा अँग्रेजी भी होगी।

हिन्दी में चिकित्सा शिक्षा पाठ्यक्रम सुनिश्चित कराने के साथ ही मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य बन गया है। केन्द्रीय गृह मंत्री ने इस तथ्य के पक्ष में महात्मा गाँधी के संकल्प को दोहराते हुए बताया कि मातृभाषा में शिक्षा की व्यवस्था देश की सच्ची सेवा है, इसलिए नई शिक्षा नीति के तहत क्षेत्रीय और मातृभाषा को महत्व दिया जा रहा है। उन्होंने आशा व्यक्त किया कि मातृभाषा में चिकित्सा शिक्षा के अध्ययन से भारत विश्व में शिक्षा का बड़ा केन्द्र बनेगा। भारत एक सघन बहुभाषी देश है जहां वर्ष 2011 की जनगणना प्रक्रिया में मातृभाषाओं की संख्या 19 हजार 569 दर्ज की गई। मातृभाषायी शिक्षा की वकालत के परिप्रेक्ष्य में कोठारी आयोग ने राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा-2005 को दोहराया था लेकिन इस दिशा में कोई निर्णायक प्रयास नही हुआ अन्यथा 50 वर्षों बाद अब इन्हीं तथ्यों को शिक्षा नीति में पुनः दर्ज करने की आवश्यकता नहीं होती। नीति परिवर्तन के पूर्व हमें समय की चुनौतियों को पहचानने और उनका सामना करने की तैयारियों के साथ प्रस्तुत होना चाहिये था । चूँकि सरकार ने इस दिशा में सतही काम शुरू कर दिया है तो उसके सकारात्मक परिवर्तन की आशा की जानी चाहिये। नई शिक्षा नीति की अनुशंसाओं के साथ ही मातृभाषा से शिक्षण का प्रयास शुरू हो गया है। यह नीति अनेक उपाय सुझाती है जैसे स्थानीय भाषा में पाठ्यसामग्री का निर्माण, बहुभाषी शिक्षण की व्यवस्था, केन्द्र और राज्य सरकारों द्वारा स्थानीय भाषाओं के जानकार शिक्षकों की व्यवस्था, क्षेत्रीय प्रोद्योगिकी का उपयोग। इसके साथ ही विज्ञान और गणित की पाठ्य सामग्री यथांसभव द्विभाषी बनाई जायेगी जिसमें एक भाषा अँग्रेजी भी होगी। निश्चित ही यह नीति भारतीय जनमानस से औपनिवेशिक पहचान को स्थानीयकरण के मजबूत सैद्धांतिक आधार तैयार करने में सक्षम होगी। के योंकि भारत में

-वैज्ञानिकाश्च कपिलः कणादःशुश्रुस्तथा। चरको भास्कराचार्यो वराहमिहिर सुधी।।

नागार्जुन भरद्वाज, आर्यभट्टो वसुर्वधः, ध्येयोवेंकट रामश्चविजा रामानुजायः।।

को चरितार्थ करता विज्ञों की समृद्ध परम्परा रही है, लेकिन भूमण्डलीकरण के इस परिदृश्य में चरक, पतंजलि और बाग भट्ट के पारम्परिक सिद्धान्तों का अनुकरण आसान नहीं होगा। इस संबंध में विशेषज्ञों का मानना है कि हिन्दी में एमबीबीएस की शिक्षा के लिए चिकित्सा शब्दावली का हिन्दी में अनुवाद सहित अभी बड़ी तैयारियों की आवश्यकता है। वर्तमान जारी नवीन पुस्तकों में देवनागरी जैसे लेखन में अभी 'र' अक्षरों के प्रयोग को लेकर कई विसंगतियां आने की संभावना है। राज्य सरकार ने हिन्दी में चिकित्सा पाठ्यक्रम तैयार करने का दायित्व हिन्दी विश्वविद्यालय को सौंपा है लेकिन इसमें विशेषकर आदिवासी विद्यार्थियों को इसका लाभ पहुंचाने के लिए विशेष प्रयास की आवश्यकता है।

इस संबंध में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डाक्टर भरत छपरवाल की धारणा है कि विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध क्षेत्र में अद्यतन प्रगति के साथ गुणवत्तापूर्ण पाठ्यपुस्तके हैं। ब्रिटिश मेडीकल जर्नल और न्यू इंग्लैंण्ड जर्नल जैसी गुणवत्ता वाली मेडीकल पत्रिकाओं में प्रकाशित शोध लेखों को पाठ्यपुस्तकों में स्थान पाने के लिए न्यूनतम चार साल लग जाते हैं । अर्थात सरकार ने इस घोषणा से पहले पर्याप्त तैयारी नहीं की। चूंकि जापान, फ्रांस, चीन रूस जैसे देशों ने अपनी मूल भाषा में चिकित्सा शिक्षा के लिए सदियों से शोध कर एक समृद्ध पाठ्यक्रम सामग्री विकसित की है, इसलिए वहा इस प्रकार की नीति सफल है। विविध्कटिबंध और उससे प्रभावित जीवनशैली के बावजूद दुनिया एक मोहल्ले में परिवर्तित हो गई हो तो ऐसे में चिकित्सा और सैन्य जैसे क्षेत्रों में एक मानक यूनिफार्म स्वरूप सुरक्षात्मक कवच आवश्यक हो जाता है। जिस प्रकार संघ की शाखा पद्धति का विश्वभर में संस्कृत यूनिफार्म है। इस परिप्रेक्ष्य में भाषा की एकरूपता वाली सुरक्षात्मक दीवार को गिराना 'नीम हकीम खतरे जान' जैसी विसंगतियों का नासूर बन सकती हैं। भारत जैसे देश में इसका खतरा और बढ़ जाता है। शायद इसीलिए विज्ञापन के तारतम्य में भारतीय चिकित्सा परिषद ने जहाँ स्वास्थ्य से संबंधित दवा के प्रति उदारता बरती वहीं उपचार संबंधी दवाओं के विज्ञापन के प्रति कठोरता दिखाते हुए उसे गैरकानूनी बताया। उदाहरण के लिए अतिअम्लता से उत्पन्न उदरशूल से निजात पाने के लिए प्रायः 'एण्टासिड' दवा का उपयोग किया जाता है लेकिन इसके सहदुष्परिणाम से होने वाले ध्वजपतन (यंत्रयोग विकार) हमारे दाम्पत्य जीवन को प्रभावित करता है। वैश्वीकरण के इस युग में अंतर्राष्ट्रीय प्रतिमानों के अनुरूप किसी जटिल शल्य क्रिया पर एक देश का चिकित्सक अन्य देश के चिकित्सकों की सहायता प्राप्त करता है, ऐसे में यह नीति कहाँ तक कारगर होगी, कह पाना मुश्किल है। हालांकि बाजारवाद के युग में एलोपैथी चिकित्सा विश्व के संपूर्ण अर्थतंत्र को प्रभावित करता है । भारत के बड़े बाजार पर छद्मरूपों से अभी भी यह एकाधिकार बनाये हुए है। ज्ञान अपरिमित है इसके दोहन के लिए परस्पर अनुकरण से हम जीवन को समुन्नत बनाते हैं लेकिन जब हम अपनी श्रेष्ठता सिद्ध करने के लिए अन्य मापदण्डों की उपेक्षा करने लगें तो उससे हमारा अहंकार बढ़ता है। इसलिए आरएक्स को यथावत रख भाषा को फासिस्ट मानसिकता के दोष से मुक्त रखना श्रेष्यकर होगा। चिकित्सकों द्वारा ओपीडी पर्चों पर अँग्रेजी में लिखी दवाओं को अधिकृत भेषज्ञ नही बल्कि सरकारी स्कूलों से यदाकदा बारहवी पढ़कर आये अपात्र व्यक्ति ही वितरित करते हैं। ऐसे में सरकार द्वारा झोलाछाप डाक्टरों के निर्मूलन के लिए किया गया अब तक का प्रयास सर्पशिशुओं की तरह सहसा शतगुण होकर हाल ही में पनपे खांसी की दवा से मारे गये 66 अफ्रीकी बच्चों जैसे हश्र की पुनरावृत्ति नहीं करेगा? किसी व्याधि के लिए हिन्दी में लिखी दवाओं की समग्र पुनरावृत्ति के दुष्परिणामों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता । इस व्यवस्था से चिकित्सक और रोगी के बीच स्थापित कल्याणकारी विस्थापन भंग होने से सामाजिक व्यवस्था प्रभावित होगी । अँग्रेजी सिर्फ सत्ता, प्रतिष्ठान, ज्ञान विज्ञान और शिक्षा के माध्यम में नहीं बल्कि भूमंडलीकरण के बाद से तो देश में यह मध्यमवर्गीय समाज के सपनों में शामिल हो चुकी है। यही कारण है कि न्यूनतम और द्वितीयक संसाधनों के साथ अंग्रेजी माध्यम के विद्यालय सुदूर क्षेत्रों में कुकुरमुत्तों की तरह फैल रहे हैं। ऐसे में यह नीति इन विद्यालयों पर किस तरह बंधनकारी होगी जिससे स्े थानीय भाषाओं को प्राथमिकता मिले। क्योंकि देश की सभी भाषायें राष्ट्रीय हैं इसलिए इनका उन्नयन हमारा कर्तव्य है। दूसरी तरफ देश में निजी विद्यालयों का बढ़ता बाजार और उन्हें पोषित करने वाले सरकारी और राजनीतिक परंपराओं ने जो परिवेश तैयार किया है उसमें भाषा और संस्कृति से अधिक चिन्ता पूँजी निर्माण की रही है। ऐसी स्थितियों में मातृभाषा में शिक्षण की कसौटी को किन मूल्यों पर निर्धारित किया जायेगा यह विचारणीय है। प्रसिद्ध अमरीकी मानवविज्ञानी फ्रांज बोआज ने कहा है कि अगर परंपरा के रूप में अपने ऊपर थोपी गई बेड़ियों को हम पहचान पाएं तो ही उन्हें तोड़ सकने में समर्थ हो सकते हैं। निश्चित ही यह नीति राष्ट्रीय स्वाभिमान के प्रति हमे सजग करती है लेकिन इसका अनुपालन न सिर्फ सरकारों की दृढ़ इच्छा और दूरदर्शिता पर निर्भर करेगा बल्कि संपूर्ण समाज को इस चुनौती का सामना करने के लिए प्रतिबद्धता दिखानी होगी।

दृष्टिबाधितों की मार्गदर्शक सफेद छड़ी

विश्व छड़ी दिवस आज/ अरुण कुमार कैहरबा

दृष्टिहीन बच्चों एवं बड़ों की शिक्षा के लिए समय-समय पर शिक्षाविदों एवं पुनर्वास कार्यकर्ताओं द्वारा अनेक प्रकार के प्रयोग किए गए हैं। दृष्टिहीनों की शिक्षा के क्षेत्र में सबसे जरूरी कदम है, उनकी अपने वातावरण में स्वतंत्रता और आत्मविश्वास के साथ चलने की योग्यता। उनके चलने, सुरक्षा, स्वतंत्रता और पहचान के लिए जिस क्रांतिकारी उपकरण का आविष्कार किया गया, वह है- सफेद छड़ी। अंग्रेजी में यह व्हाइट केन के नाम से प्रसिद्ध है। इसे लंबी छड़ी (लोंग केन) भी कहा जाता है। हालांकि छड़ी की लंबाई इसके प्रयोक्ता के कद पर निर्भर करती है लेकिन मोटे तौर पर इसकी लंबाई इसे प्रयोग में लाने वाले व्यक्ति की छाती के बराबर होनी चाहिए। इस छड़ी के मानक स्वरूप को ईजाद करने का श्रेय अमेरिका के पुनर्वास विशेषज्ञ रिचर्ड ई. हूवर को जाता है। उन्होंने लंबे समय तक अथक मेहनत व प्रयोग के बाद छड़ी को अंतिम रूप दिया। यही कारण है कि इस छड़ी को हूवर छड़ी के नाम से भी जाना जाता है।

दरअसल, दृष्टिहीन व्यक्ति चलने के दौरान सफेद छड़ी के माध्यम से रास्ते में पड़ी वस्तुओं को पहचान सकता है। वह रास्ते की सतह और आगे आने वाले गड्ढ़ों या अन्य खतरों के बारे में सावधान हो जाता है। यही नहीं, सफेद छड़ी से दृष्टिवान व्यक्ति दृष्टिहीन व्यक्ति की पहचान कर लेते हैं। इससे वे रास्ता पार कर रहे दृष्टिहीन व्यक्ति की मदद कर सकते हैं और दुर्घटना से बच जाते हैं। सामान्य-सी लगने वाली सफेद छड़ी अनेक खूबियों से युक्त है। छड़ी के तीन हिस्से हैं : ऊपरी भाग- हत्था, मध्य भाग और नीचे का भाग जो धरती पर टिकता है। छड़ी का हत्था रबड़ से बना होता है, जो कि करंट रोधी है। मध्य भाग एल्यूमीनियम का है, जो कि हल्का होता है। नीचे का प्लास्टिक का भाग जिस भी वस्तु से टकराता है, उसकी सतह का अहसास छड़ी का प्रयोग रहे दृष्टिहीन व्यक्ति को आसानी से होता है। आजकल सफेद छड़ी अनेक प्रकार की उपलब्ध होती है। फोल्डिंग छड़ी को दृष्टिहीन व्यक्ति सुविधा के मुताबिक इस्तेमाल कर सकता है। दृष्टिबाधित व्यक्ति अपने वातावरण में स्वतंत्रता एवं आत्मविश्वास के साथ चलने के लिए इस साधन का ही चुनाव करते हैं। इसका एक कारण यह भी है कि यह बुनियादी, बहु उपयोगी, सहज उपलब्ध एवं सस्ता साधन है और इसे बहुत ही कम रखरखाव की जरूरत पड़ती है। वर्ष 1964 में अमेरिका में प्रति वर्ष 15 अक्तूबर को सफेद छड़ी सुरक्षा दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया। उसके बाद दृष्टिबाधा के प्रति लोगों को संवेदनशील बनाने और सफेद छड़ी के बारे में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से विश्व के अन्य देशों में भी इस दिवस को मनाया जाने लगा। दरअसल, प्रथम विश्व युद्ध के बाद सफेद छड़ी की परिकल्पना के बाद दृष्टिहीनों के सुविधाजनक चलन में बड़ा बदलाव आया है। सफेद छड़ी के विकास की एक लंबी प्रक्रिया है। इंग्लैंड के शहर ब्रिस्टल में 1921 में जेम्स बिग्स नाम के फोटोग्राफर दुर्घटना के कारण दृष्टिहीन हो जाते हैं। सड़कों पर ट्रैफिक की बहुलता के कारण उन्हें बहुत अधिक दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। वे अन्य लोगों को अपनी उपस्थिति जाहिर करने के लिए अपनी छड़ी पर सफेदी लगा देते हैं। वर्ष 1931 में फ्रांस में गिल्ली हरबेमाऊंट ने दृष्टिबाधित लोगों के लिए राष्ट्रीय स्तर का सफेद छड़ी आंदोलन चलाया। इसी वर्ष 7 फरवरी को उन्होंने देश के कई मंत्रियों की उपस्थिति में दृष्टिहीन लोगों को पहली दो सफेद छड़ियां प्रदान कीं। बाद में प्रथम विश्व युद्ध में दृष्टिहीन हुए पूर्व सैनिकों व सिविलियनों को करीब पांच हजार सफेद छड़ियां भेजी गई। अमेरिका में सफेद छड़ी का परिचय करवाने का श्रेय लायंस क्लब इंटरनेशनल के जियोर्ज ए. बोनहम को जाता है। वर्ष 1930 में लायंस क्लब के सदस्यों ने काले रंग की छड़ी लिए हुए दृष्टिहीन व्यक्तियों को सड़क पार करते हुए देखा। काली सड़क पर यह छड़ी ठीक ढंग से दिखाई नहीं देती थी। सदस्यों ने छड़ी को सफेद रंग से रंगने का निर्णय लिया ताकि छड़ी ज्यादा दृश्यमान हो सके। 1931 में लायंस क्लब ने दृष्टिहीन लोगों के प्रयोग के लिए सफेद छड़ी को बढ़ावा देने का कार्यक्रम शुरू किया। लायंस क्लब द्वारा विकसित की गई लकड़ी की सफेद छड़ी को द्वितीय विश्व युद्ध के बाद 1944 में रिचर्ड हूवर ने अपने हाथ में लिया। वे वैली फोर्ज सेना अस्पताल में पुनर्वास विशेषज्ञ के रूप में काम करते थे। वे आंख पर पट्टी बांध कर छड़ी के साथ अस्पताल में सप्ताह भर तक घूमते रहे। अपनी प्रयोगशीलता से उन्होंने लंबी छड़ी की मौजूदा हूवर विधि ईजाद की। वे बेहद कम वजन की लंबी छड़ी तकनीक के पिता माने जाते हैं। इस तकनीक के अनुसार छड़ी को बहुत ही वैज्ञानिक ढंग से प्रयोग में लाया जाता है। छड़ी को दाहिने हाथ से मध्य में पकड़ा जाता है। चलते हुए इसका प्रयोक्ता कलाई का प्रयोग करके इसे दाएं-बाएं घुमाता है। दोनों पांवों के आगे यह छड़ी मार्गदर्शन का काम करती है। ज्यों-ज्यों दायां पांव आगे जाता है, छड़ी को दायीं तरफ से बाईं तरफ ले जाया जाता है। इसी प्रकार जब बायां पांव आगे जाता है तो छड़ी दाईं तरफ ले जाई जाती है। चलन अभिविन्यास विशेषज्ञ के द्वारा दृष्टिहीन विद्यार्थी को छड़ी का प्रशिक्षण दिया जाता है।

(चिंतन-मनन)

दान और परोपकार से घटता नहीं है धन

सभी धर्मों में कहा गया है कि दान करो। दान करने से धन घटता नहीं है बल्कि आपका धन बढ़ता है। लेकिन समस्या यह है कि लोग धन बढ़ने का तात्पर्य यह समझते हैं कि आज आप सौ रूपये कमाते हैं तो कल हजार रूपये कमाने लगेंगे। शास्त्रों में मुद्रा को धन कभी कहा ही नहीं गया है। शास्त्रों के अनुसार व्यक्ति जो पुण्य अर्जित करता है वही धन है। पुण्य रूपी धन परोपकार और जनहित से बढ़ता है। मुद्रा रूपी धन तो आपको उतना ही मिलेगा जितना आपकी किस्मत में होगा। अगर आप दान भी कर दें तो आपके पास उतना ही रहेगा जितना आपके भाग्य में है। अगर आप संचित करके भी रखेंगे तब भी उतना ही बचेगा जितना आपकी किस्मत में विधाता ने लिख दिया है। दक्षिण भारत की एक कथा है इस संदर्भ में उल्लेखनीय है। एक गरीब ब्राह्मण था। दिन भर अपना काम करता इसके बाद जो भी समय बचता उसे भगवान की सेवा में लगा देता। ब्राह्मण की पत्नी अक्सर ब्राह्मण से कहती पूजा-पाठ से क्या लाभ है भगवान तो हमारी सुनते ही नहीं, पता नहीं हमारी गरीबी कब दूर होगी। एक दिन ब्राह्मणी की बात सुनकर ब्रह्मण बहुत दुःखी था। पूजा करने बैठा तो भगवान प्रकट हो गये। भगवान को देखते ही ब्रह्मण अपनी गरीबी दूर करने के लिए प्रार्थना करने लगा। भगवान ने कहा तुमने पूर्व जन्म दान नहीं किया है इसलिए तुम्हारे भाग्य में अन्न धन की मात्रा कम है। अगर तुम चाहो तो तुम्हें तुम्हारे भाग्य का अन्न धन एक साथ मिल सकता है। लेकिन एक बार अन्न धन खत्म होने के बाद तुम क्या करोगे। अच्छा होगा कि तुम धीरे-धीरे अपने हिस्से का अन्न धन प्राप्त करो। ब्रह्मण ने कुछ देर सोचा फिर बोला प्रभु मेरे भाग्य का सारा अन्न धन एक साथ दे दीजिए। कुछ दिन तो सुखी से जी लूंगा। भगवान ने तथास्तु कह दिया। ब्राह्मण का घर अन्न से भर गया। ब्राह्मणी अन्न का भंडार देखकर खुश हो गयी। ब्राह्मण ने कहा कि इसे हम एक साथ खर्च नहीं करेंगे। हमारा जीवन जैसे चल रहा था हम वैसे ही जिएंगे। अगले दिन से ब्राह्मण गरीबों को अन्न-धन बांटने लगा। ब्राह्मण की किस्मत में जितना अन्न धन का सुख था वह उसे मिलता रहा। लेकिन दान के प्रभाव से उसके पुण्य में वृद्धि होती गयी और ब्राह्मण का नाम एवं यश चारों ओर फैलने लगा। पुण्य की वृद्धि और उदारत से प्रसन्न होकर भगवान ने ब्राह्मण की गरीबी दूर कर दी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सोने की कीमतें घटीं , चांदी में गिरावट

नई दिल्ली । घरेलू बाजारों में मंगलवार को सोने की कीमतें गिरी हैं जबकि चांदी में उछाल आया है। वहीं मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोना 131 रुपये करीब 0.26 फीसदी टूटकर 50,342 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। दूसरी ओर चांदी की कीमतों में 125 रुपये तकरीबन 0.22 फीसदी का उछाल आया है। इससे ये 56432 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गयीं। वहीं इससे पहले सोने-चांदी की वायदा कीमतों में तेजी आई थी। एमसीएक्स पर सोना 256 रुपये ऊपर आकर 50516 प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था हालांकि, दिल्ली सर्राफा बाजार में स्पॉट इसकी कीमतें गिरीं थीं। आज सोने और चांदी ने एमसीएक्स में गिरावट के साथ ही कारोबार शुरू किया था पर इसक बाद चांदी में बढ़त दर्ज की गयी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 5 डॉलर की बढ़त के साथ ही 1653 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। वहीं घरेलू सर्राफा बाजार में गत दिवस सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट आई थी।

महानगरों में तेल के दाम नहीं बदले

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में मंगलवार को पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बदलाव नहीं आया है हालांकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेजी की कीमतें गिरी हैं। दिल्ली, मुंबई सहित देश के चारों महानगरों में तेल के दाम पहले की तरह ही हैं। दिल्ली में पेट्रोल-डीजल के दाम पहले की तरह ही हैं। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, जबकि कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर पर बना हुआ है। नोएडा में पेट्रोल 96.64 रुपये और डीजल 89.82 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.62 रुपये और डीजल 89.81 रुपये प्रति लीटर आ गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपये और डीजल 94.04 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है। वहीं पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपये और डीजल 79.74 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है।

2030 तक 65 प्रतिशत से अधिक बिजली उत्पादन क्षमता गैर-जीवाश्म ईंधन से होगी

नई दिल्ली । बिजली और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री आर के सिंह ने कहा कि देश में 2030 तक बिजली उत्पादन क्षमता में गैर-जीवाश्म ईंधन का हिस्सा 65 प्रतिशत से अधिक होगा। उन्होंने हरित ऊर्जा पर भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के कार्यक्रम में कहा कि भारत ने बिजली उत्पादन क्षमता में गैर-जीवाश्म ईंधन की हिस्सेदारी को बढ़ाकर 65 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा है। सिंह ने कहा कि देश में 2030 तक 90 गीगावाट से अधिक सौर उपकरण निर्माण क्षमता होगी। वर्तमान में यह क्षमता 20 गीगावाट है। उन्होंने बताया कि लगभग 15-20 गीगावाट सौर उपकरण विनिर्माण क्षमता निर्माणाधीन है। भारत में उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत 40 गीगावाट क्षमता वाले संयंत्र स्थापित हो रहे हैं।

मंत्री ने उद्योग जगत से उच्च दक्षता वाले सौर उपकरणों के विनिर्माण में बदलाव करने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा कि देश में पहले ही 170 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता है, जबकि अन्य 80 गीगावॉट निर्माणाधीन है। देश की 2030 तक 500 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता हासिल करने की योजना है।

बाजार में तीसरे दिन तेजी, सेंसेक्स 549 अंक उछला

मुंबई

घरेलू शेयर बाजारों में लगातार तीसरे दिन तेजी रही और बीएसई सेंसेक्स में 549 अंक से अधिक मजबूत हुआ. वैश्विक बाजारों में सकारात्मक रुख और सूचकांक में मजबूत हिस्सेदारी रखने वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर में लिवाली से बाजार लाभ में रहा. तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 549.62 यानी 0.94 प्रतिशत उछलकर 58,960.60 अंक पर बंद हुआ. कारोबार के दौरान एक समय यह 732.68 अंक तक चढ़ गया था.

इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 175.15 अंक यानी 1.01 प्रतिशत की बढ़त के साथ 17,486.95 अंक पर बंद हुआ.सेंसेक्स शेयरों में सर्वाधिक लाभ में भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) रहा. इसके अलावा, आईटीसी, नेस्ले इंडिया, भारती एयरटेल, इंडसइंड बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, रिलायंस इंडस्ट्रीज और लार्सन टुब्रो भी प्रमुख रूप से लाभ में रहे. नुकसान में रहने वाले शेयरों में एचडीएफसी लि., एनटीपीसी, एचडीएफसी बैंक, टेक महिंद्रा और सन फार्मा शामिल हैं. एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की और हांगकांग का हैंग लाभ में जबकि चीन का शंघाई कंपोजिट सूचकांक नुकसान में रहा.यूरोप के प्रमुख शेयर बाजारों में शुरुआती कारोबार में सकारात्मक रुख रहा. अमेरिकी शेयर बाजार वाल स्ट्रीट में सोमवार को अच्छी तेजी थी.इस

बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.65 प्रतिशत की गिरावट के साथ 91.02 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया. शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशक पूंजी बाजार शुद्ध रूप से बिकवाल बने हुए हैं. उन्होंने सोमवार को 372.03 करोड़ रुपये के शेयर बेचे.

बैंक ऑफ महाराष्ट्र का मुनाफा बीती तिमाही में दोगुना होकर 535 करोड़ रुपये पर

मुंबई । बैंक ऑफ महाराष्ट्र (बीओएम) का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष 2022-23 की जुलाई-सितंबर तिमाही में दोगुना होकर 535 करोड़ रुपये हो गया। बीओएम ने इसकी जानकारी दी। बैंक ने कहा कि फंसे हुए कर्ज में कमी आने से बैंक का मुनाफा बढ़ा है। बीओएम ने जुलाई-सितंबर, 2021 में 264 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध लाभ कमाया था। आलोच्य तिमाही में बैंक की कुल आय भी बढ़कर 4,317 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। एक साल पहले समान अवधि में यह आंकड़ा 4,039 करोड़ रुपये था। बैंक का सकल एनपीए (गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां) 30 सितंबर तक सकल ऋण के मुकाबले 3.40 प्रतिशत था। एक साल पहले समान अवधि में यह 5.56 प्रतिशत था। इसी तरह शुद्ध एनपीए बीती तिमाही में 1.73 प्रतिशत से घटकर 0.68 प्रतिशत रह गया।

ज्योतिरादित्य सिंधिया ने राज्यों से विमानन ईंधन पर कर कम करने का किया आग्रह

नई दिल्ली । केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने विशेष रूप से कोविड-19 महामारी के बाद हवाई यात्रा की भारी मांग का हवाला देते हुए मंगलवार को सात राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश से जेट ईंधन पर कर कम करने का आग्रह किया। मंत्री ने नागरिक उड्डयन मंत्रियों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। सिंधिया ने कहा कि हवाई यातायात वृद्धि छोटे शहरों द्वारा संचालित होगी। जेट ईंधन पर मूल्य वर्धित कर (वैट) अभी भी गोवा, असम, दिल्ली, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, राजस्थान, बिहार और तमिलनाडु में 20-30 प्रतिशत की सीमा में है। जेट ईंधन की लागत एयरलाइन की परिचालन लागत का एक बड़ा हिस्सा है और कई राज्यों ने पिछले कुछ महीनों में करों को कम कर दिया है।मंत्री ने कुछ राज्यों में जेट ईंधन पर हाई वैट के संदर्भ में प्रवेश बाधाओं को कम करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि वर्तमान में, 28 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में जेट ईंधन पर 1-4 प्रतिशत की सीमा में वैट है। पहले लगाए जा रहे एटीएफ पर हाई वैट का संज्ञान लेते हुए मंत्रालय ने राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के साथ इस मुद्दे को उठाया था। नतीजतन, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, उत्तराखंड, जम्मू और कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, त्रिपुरा, मध्य प्रदेश, हरियाणा, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, गुजरात, दादरा, नगर हवेली, दमन, दीव, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, झारखंड और मिजोरम द्वारा एटीएफ पर वैट कम किया गया है।

यूएसए से बड़े निवेश की जमीन तैयार, कई बड़ी कंपनियां कर रहीं यूपी आने की तैयारी

लखनऊ ।

उत्तर प्रदेश को औद्योगिक निवेश का ग्लोबल हब बनाने के लिए जारी कोशिशों के बीच मंगलवार को यूएस-इंडिया स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप फोरम (यूएसआईएसपीएफ) के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भेंट की। मुख्यमंत्री से भेंट करने वाले 30 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल में यूएसआईएसपीएफ के प्रेसिडेंट और सीईओ मुकेश अघी, बैंक ऑफ द वेस्ट की प्रेसिडेंट और सीईओ नंदिता बख्शी, स्पाइस जेट के चेयरमैन अजय सिंह, मेटा (फेसबुक) के पब्लिक पॉलिसी हेड राजीव अग्रवाल, स्टैंडर्ड चार्टर्ड के सीईओ जरीन दारूवाला, भारत सरकार के पूर्व विदेश सचिव कंवल सिब्बल सहित स्वास्थ्य, रक्षा, शिक्षा, बैंकिंग, एविएशन, सोशल मीडिया सहित अनेक सेक्टर के दर्जन भर से अधिक सीईओ, अन्य वरिष्ठ अधिकारी व यूएसआईएसपीएफ के पदाधिकारी शामिल रहे। प्रदेश के अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त ने प्रतिनिधिमंडल को प्रदेश में बेहतर होते सड़क, रेलमार्ग, जलमार्ग, वायुमार्ग इंफ्रास्ट्रक्चर, डिफेंस कॉरीडोर की प्रगति, 25 औद्योगिक नीतियों/सेक्टोरल पॉलिसी के संबंध में संक्षिप्त परिचय दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 250 मिलियन की आबादी के साथ उत्तर प्रदेश भारत का सबसे बड़ा राज्य है। हमारे पास सबसे बड़ा लैंडबैंक है। उद्योग अनुकूल औद्योगिक नीतियां हैं। सुदृढ़ कानून व्यवस्था है। हम खाद्यान्न उत्पादन में न केवल आत्मनिर्भर हैं, बल्कि निर्यात भी कर रहे हैं। देश में सबसे अच्छी उर्वरा भूमि उत्तर प्रदेश के पास है। कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और यूएसए सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था। ऐसे में अगर यह दो देश मिलकर काम करें तो यह विश्व मानवता के कल्याणकारी होगा।

इस दृष्टि से भारत और यूएसए के बीच रणनीतिक सम्बन्धो को और बेहतर करने में यूएसआईएसपीएफ की बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि आगामी 10-12 फरवरी 2023 तक उत्तर प्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन कर रहा है। यह समिट इंडो-यूएस द्विपक्षीय व्यापारिक संबंधों को और मजबूत करने का बेहतरीन अवसर है। इस महत्वपूर्ण कार्य में यूएसआईएसपीएफ से सहयोग की अपेक्षा है। योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में बड़ा बाजार है। अमेजॉन, माइक्रोसॉफ्ट, एडोब, पेप्सिको, सिनॉप्सिस, वालमार्ट आदि कई अमेरिकी कंपनियां उत्तर प्रदेश में पूर्व से ही कार्य कर रही हैं, सभी के अनुभव अच्छे हैं। सरकार सभी के व्यावसायिक हितों का ध्यान रख रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी में निवेश करने वाले हर एक निवेशक के हितों को सुरक्षित रखने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। राज्य सरकार द्वारा निवेशकों को हर संभव सहायता दी जाएगी। प्रदेश में न केवल निवेशकों का हित सुरक्षित होगा, बल्कि उन्हें हर प्रकार का संरक्षण भी प्राप्त होगा। यूएसआईएसपीएफ के प्रेसिडेंट मुकेश अघी ने कहा कि चीन में निवेश करने वाली यूएसए की कई कंपनियां उत्तर प्रदेश की ओर देख रही हैं।

आगामी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट इस लिहाज से बड़ा ही उपयोगी होने वाला है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट से पहले ग्लोबल रोड शो के दौरान यूएसआईएसपीएफ यूनाइटेड स्टेट्स में मुख्यमंत्री के स्वागत के लिए तैयार है। यह दौरा अपने उद्देश्यों में आशातीत सफलता पाने वाला होगा। उत्तर प्रदेश के समग्र विकास के लिए यूएसआईएसपीएफ की तर्ज पर 'यूएस-यूपी स्ट्रेटजिक पार्टनरशिप फोरम' का गठन किया जाएगा।

रिजर्व बैंक ने 2 सहकारी बैंकों पर नियमों की अवहेलना करने पर ठोका जुर्माना

नई दिल्ली ।

देश की बैंकों की शीर्ष नियामक भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 2 सहकारी बैंकों पर नियमों की अवहेलना करने पर जुर्माना लगाया। इनमें से एक पुणे का राजगुरुनगर सहकारी बैंक व दूसरा गुजरात का को-ऑपरेटिव बैंक ऑफ राजकोट है। पहले बैंक पर 4 लाख रुपये और दूसरे पर 2 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। राजगुरुनगर सहकारी को ब्याज दरों व डिपॉजिट संबंधी केंद्रीय बैंक के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया है। वहीं, को-ऑपरेटिव बैंक ऑफ राजकोट ने जागरुकता योजना संबंधी नियमों की अवहेलना की है। जांच रिपोर्ट में सामने आया था कि राजगुरुनगर सहकारी बैंक ने मृत खाताधारकों के चालू खातों में पड़ी राशि को उसके दावेदारों को नहीं सौंपा। आरबीआई ने बैंक को नोटिस जारी कर बैंक से पूछा था कि उस पर जुर्माना क्यों न लगाया जाए। आरबीआई बैंक के लिखित जवाब से संतुष्ट नहीं हुआ और उस पर दिशा-निर्देशों को उल्लंघन को लेकर पेनल्टी लगा दी। केंद्रीय बैंक ने इस संबंध में एक बयान जारी कर बताया कि यह जुर्माना आरबीआई ने उसे मिले अधिकारों के तहत ही लगाया है। आरबीआई ने बताया कि बैंक को बैंकिंग रेग्युलेशन एक्ट 1949 की धारा 56, धारा 46 (4) और धारा 47ए (1) (सी) के दोषी पाया गया है। आरबीआई ने कहा कि इस आदेश से बैंक के किसी लेनदेन या ग्राहकों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। आरबीआई ने बताया कि बैंक के वित्तीय दस्तावेजों की जांच में सामने आया था कि उसने जमाकर्ता एजुकेशन व अवेयरनेस फंड में करीब 10 साल से अधिक समय से रखी राशि को ट्रांसफर नहीं किया था। यह भी उपरोक्त सेक्शंस की अवहेलना है। को-ऑपरेटिव बैंक को भी कारण बताओ नोटिस जारी कर पूछा गया था कि उस पर जुर्माना क्यों न लगाया जाए। बैंक से लिखित व मौखित जवाब मिलने के आरबीआई ने तय किया कि बैंक पर जुर्माना लगाया जाना चाहिए। इस फैसले से भी बैंक के ग्राहकों या किसी ट्रांजेक्शन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। आरबीआई ने सितंबर में डॉक्टर अम्बेडकर नागरिक सहकारी बैंक मर्यादित, नागरिक सहकारी बैंक मर्यादित, रवि कमर्शियल शहरी सहकारी बैंक पर नियमों के उल्लंघन को लेकर जुर्माना लगाया था।

केंद्रीय मंत्री गडकरी बोले- मुंबई में स्थान के अभाव में साइकिल ट्रैक बनाना संभव नहीं

मुंबई । केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि मुंबई में स्थान के अभाव में साइकिल ट्रैक बनाना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि जगह की कमी के चलते सड़कों को चौड़ा करना असंभव है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने हालांकि कहा कि साइकिल चलाने की स्वस्थ आदत को प्रोत्साहित करना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि हम टियर-2 और टियर-3 शहरों में ऐसे समर्पित ट्रैक बना सकते हैं। गडकरी ने कहा, 'वास्तव में, मैं आपके विचार (साइकिल ट्रैक) का समर्थन कर रहा हूं। लेकिन, मेरी व्यावहारिक समस्या यह है कि शहर में सड़क की चौड़ाई बढ़ाना बहुत मुश्किल है। मुंबई में, हम साइकिल ट्रैक नहीं बना सकते हैं।' उन्होंने फिलिप कैपिटल द्वारा सोमवार शाम यहां आयोजित संस्थागत निवेशकों के साथ एक संवादात्मक बैठक में यह बात कही। मंत्री ने कहा कि मुंबई में 'अतिक्रमण और राजनीतिक समस्याएं' भी हैं, जिनके चलते साइकिल ट्रैक बनाने में दिक्कत पेश आती है। गडकरी की यह टिप्पणी मुंबई में बेहद महत्वाकांक्षी 40 किलोमीटर की साइकिल ट्रैक परियोजना के शुरू नहीं होने की खबरों के बीच आई है। गडकरी ने कहा कि वह नागपुर में एक साइकिल ट्रैक का निर्माण कर रहे हैं।

स्पाइसजेट में बढ़ते विमान हादसों पर डीजीसीए ने अपनाया कड़ा रुख

नई दिल्ली ।

निजी क्षेत्र की हवाई कंपनी स्पाइसजेट में बढ़ते हादसों को लेकर नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने कड़ा रुख अपनाते हुए कंपनी को एक नया निर्देश जारी किया है। निर्देश के मुताबिक स्पाइसजेट एयरलाइन कंपनी इंजन निर्माता प्रैट एंड व्हिटनी को हर 15 दिनों में फ्लाइट के इंजन में इस्तेमाल होने वाले तेल के सैंपल भेजेगी। साथ ही डीजीसीए ने स्पाइसजेट से एक सप्ताह के भीतर सभी विमान के इंजनों का एक बार बोरोस्कोपिक निरीक्षण करने को कहा है। बता दें कि हाल ही में गोवा से हैदराबाद जा रहे स्पाइसजेट के एक विमान के केबिन में बीते बुधवार की रात धुआं दिखने के बाद उसे हैदराबाद हवाईअड्डे पर आपात स्थिति में उतारा गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) इस घटना की जांच कर रहा है। डीजीसीए के एक अधिकारी के मुताबिक, विमान को हवाईअड्डे पर सुरक्षित तरीके से उतारे जाने के बाद यात्रियों को आपातकालीन निकास द्वार से बाहर निकाला गया और इस दौरान एक यात्री के पैर में हल्की खरोंच आ गई। हैदराबाद हवाईअड्डे के एक अधिकारी के अनुसार, क्यू400 वीटी-एसक्यूबी उड़ान में लगभग 86 यात्री सवार थे। उन्होंने बताया कि उक्त विमान को आपात स्थिति में उतारे जाने के कारण बुधवार को नौ उड़ानों का मार्ग परिवर्तित करना पड़ा। यह घटना रात करीब 11 बजे की है। डीजीसीए के अधिकारी ने गुरुवार को बताया कि विमानन नियामक घटना की जांच कर रहा है। वहीं, विमानन कंपनी के प्रवक्ता ने कहा, विगत 12 अक्टूबर को गोवा से हैदराबाद जा रहे स्पाइसजेट के क्यू400 विमान को उसके गंतव्य स्थान पर सुरक्षित रूप से उतारा गया। नीचे उतरने के दौरान विमान के केबिन में धुआं देखा गया था। यात्रियों को विमान से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।' डीजीसीए के अधिकारी के मुताबिक, केबिन में धुएं के कारण विमान को आपात स्थिति में उतारा गया।

एरिक्सन ने 5जी एकल नेटवर्क बनाने के लिए जियो के साथ साझेदारी की

मुंबई ।

दूरसंचार उपकरण बनाने वाली कंपनी एरिक्सन ने देश में 5जी एकल (एसए) नेटवर्क बनाने के लिए रिलायंस जियो के साथ दीर्घकालिक साझेदारी की घोषणा की। यह घोषणा भारत में हाल में हुई 5जी नीलामी के तहत स्पेक्ट्रम आवंटन के बाद की गई है। एक बयान के अनुसार देश में रेडियो एक्सेस नेटवर्क तैनाती के लिए जियो और एरिक्सन के बीच यह पहली साझेदारी है। जियो के चेयरमैन आकाश अंबानी ने कहा, हम जियो के 5जी एसए तैनाती के लिए एरिक्सन के साथ साझेदारी करके खुश हैं... हमें विश्वास है कि जियो का 5जी नेटवर्क भारत के डिजिटलीकरण को गति देगा और डिजिटल इंडिया के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में नींव के रूप में काम करेगा। बयान में कहा गया है कि जियो द्वारा एकल 5जी नेटवर्क तैनाती प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक बड़ा कदम है, क्योंकि इससे उपभोक्ताओं और उद्यमों को वास्तव में परिवर्तनकारी 5जी

अनुभव मिलेगा।

एरिक्सन के चेयरमैन और सीईओ बोरये एक्होम ने कहा कि भारत एक विश्व स्तरीय डिजिटल बुनियादी ढांचे का निर्माण कर रहा है, जो पूरे देश में नवाचार, रोजगार सृजन और उद्यमिता को बढ़ावा देगा।

आईक्यूओ नियो 7, 20 को चीन में लॉन्च होगा

-120डब्ल्यू फास्ट चार्जिंग के साथ मिलेगा दमदार कैमरा

नई दिल्ली ।

स्मार्टफोन बनाने वाली आईक्यूओ कंपनी आईक्यूओ नियो 7 सीरीज लेकर आ रही है। कंपनी ने भारत में फोन की लॉन्चिंग डेट का खुलासा नहीं किया है। स्मार्टफोन 20 अक्टूबर को चीन में लॉन्च होगा। आईक्यूओ नियो 7 फोन में मीडियाटेक डाइमेंशन 9000+ चिपसेट मिल सकता है। कंपनी द्वारा जारी आधिकारिक टीजर से पता चलता है कि स्मार्टफोन ऑरेंज कलर में उपलब्ध होगा। ताजा रिपोर्ट के अनुसार चीनी टिपस्टर पांडा ने दावा किया कि आईक्यूओ नियो 7 में 5,000 एमएएच की बैटरी होगी, जो 120 डब्ल्यू फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करती है। गौरतलब है कि आईक्यूओ नियो 6 फोन 80डब्ल्यू फास्ट चार्जिंग सपोर्ट के साथ आता है। आईक्यूओ नियो 7 स्मार्टफोन की कीमत 25,000 रुपये से 30,000 रुपये के बीच होने की उम्मीद है। रिपोर्ट के मुताबिक आईक्यूओ नियो 7 में 6.78-इंच का फुल एचडी+ डिस्प्ले मिल सकता है, जो 120एचझेड रिफ्रेश रेट ऑफर करता है। स्मार्टफोन में एक ऑप्टिकल फिंगरप्रिंट स्कैनर, आईआर ब्लास्टर और एनएफसी की फीचर होने की भी संभावना है। नए स्मार्टफोन में 5,000एमएएच की बड़ी बैटरी मिलेगी, जिसके साथ 120डब्ल्यू फास्ट वायर्ड चार्जिंग का सपोर्ट मिल सकता है। कंपनी ने कहा है कि नए डिवाइस में खास लिक्विड कूलिंग सिस्टम भी मिल सकता है। आईक्यूओ नियो 7 स्मार्टफोन की कीमत 25,000 रुपये से 30,000 रुपये के बीच होने की उम्मीद है।

बता दें कि इस साल की शुरुआत मेंआईक्यूओ नियो 6 को 29,999 रुपये की शुरुआती कीमत पर लॉन्च किया गया था। यह 120एचझेड रिफ्रेश रेट 6.62-इंच अमोलेड डिस्प्ले के साथ आता है। स्मार्टफोन स्नैपड्रैगन 870 5जी प्रोसेसर द्वारा संचालित होता है, जिसे 12जीबी तक रैम और 256जीबी यूएफएस 3.1 इंटरनल स्टोरेज के साथ जोड़ा गया है। आईक्यूओ नियो 7 में कंपनी 12जीबी तक रैम और 256जीबी तक इंटरनल स्टोरेज ऑफर कर सकती है।अगर बात करें फोन की, तो स्मार्टफोन को ट्रिपल रियर कैमरा सेटअप मिलने की उम्मीद है।

मंहगाई ने प्याज को भी लिया अपनी जद में, दीवाली तक एक किलो का भाव होगा 50 रुपए

नई दिल्ली ।

महंगाई मार से त्योहार फीके हो रहे हैं अब दूध के बाद अब महंगाई ने प्याज को भी अपनी जद में ले लिया है। बढ़ती हुई कीमतें अब आमजन को प्याज के आंसू रुलाने को तैयार हैं। दरअसल, प्याज की कीमतें कई महीने स्थिर रहने के बाद अब बढ़ने लगी हैं। अक्टूबर की शुरुआत में प्याज का खुदरा भाव 25 रुपये प्रति किग्रा तक था। अब इसका भाव बढ़कर कई जगह 40 रुपये प्रति किलो हो गया है। बता दें कि पिछले हफ्ते देश के दो सबसे बड़े मिल्क ब्रांड अमूल और मदर डेयरी ने फुल क्रीम दूध की कीमतों में 2 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि की थी। प्याज के भाव में बढ़ोतरी का कारण कम सप्लाई को माना जा रहा है। प्याज का थोक मूल्य एक पखवाड़े पहले की तुलना में अब लगभग 40 फीसदी अधिक है। इस कारण अब प्याज का खरीद मूल्य 15 से 30 प्रति किलोग्राम के बीच है। व्यापारियों का अनुमान है कि कीमतों में उछाल तब तक जारी रहेगा, जब तक कि नवंबर के पहले सप्ताह तक ताजा फसल बाजार में नहीं आ जाती। देश में कई जगह प्याज का खुदरा मूल्य 40 रुपये तक हो गया है। लाइव मिंट की एक रिपोर्ट के अनुसार, व्यापारियों का कहना है कि प्याज बहुत जल्द 50 प्रति किलोग्राम से भी ज्यादा हो सकता है। अक्टूबर की शुरुआत में खुदरा बाजार में प्याज 15 से 25 प्रति किलोग्राम के बीच मिल रहा था। बाजार जानकारों का कहना है किसानों के पास अब प्याज खत्म होने वाला है। बाजार में जो मौजूदा आपूर्ति किसानों से नहीं बल्कि प्याज भंडारों से हो रही है। देश में 70 फीसदी प्याज का उत्पादन रबी सीजन में होता है। खरीफ सीजन में प्याज काफी कम होता है। लेकिन, खरीफ में जो उत्पादन होता है, वह सितंबर-नवंबर के महीनों में कीमतों को बढ़ने से रोकने में बहुत मदद करता है। प्याज की कीमतों के साथ ही हरी सब्जियों के दाम भी बढ़ रहे हैं। गुजरात कोऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन ने गुजरात को छोड़कर सभी बाजारों में अमूल गोल्ड (फुल क्रीम) और भैंस के दूध की कीमतों में 2 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की है। अमूल गोल्ड का रेट 61 रुपये से बढ़कर 63 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

न्यूजीलैंड से अभ्यास मैच में जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

सिडनी (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट टीम टी20 विश्व कप में बुधवार को न्यूजीलैंड से अभ्यास मैच खेलेगी। अभ्यास मैच में टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया को 6 रन से हराया था। वहीं इससे उत्साहित भारतीय टीम अब दूसरे अभ्यास मैच में भी जीत के इरादे से उतरेगी। जसप्रीत बुमराह के नहीं होने से इस मैच में मो शमी गेंदबाजी की कमान संभालने के लिए तैयार हैं।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच यह अभ्यास मैच ब्रिसबेन मैदान पर ही खेला जाएगा। इसमें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले मुकाबले में भारत के 8 खिलाड़ियों को बल्लेबाजी का अवसर मिला। इसमें रोहित शर्मा और विराट कोहली क्रीज पर टिकने के बाद रन बनाने में विफल रहे। वहीं लोकेश राहुल और सूर्यकुमार यादव ने आक्रामक बल्लेबाजी की। . हार्दिक पंड्या शुरुआत में ही आउट हो गए। वहीं दिनेश कार्तिक 20 रन बनाने में सफल रहे। भारत ने छठे नंबर पर ऋषभ पंत पर दिनेश कार्तिक को तरजीह दी। वहीं, सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए अक्षर पटेल उतरे।

पहले अभ्यास मुकाबले में रोहित शर्मा ने गेंदबाजी ऑलराउंडर अक्षर पटेल से एक भी ओवर गेंदबाजी नहीं कराई। वहीं, मोहम्मद शमी को केवल एक ओवर फेंकने का मौका दिया। शमी ने आखिरी ओवर में 11 रन का सफल बचाव किया. शमी ने 4 रन देकर तीन विकेट झटके. प्लेइंग 11 में अर्शदीप सिंह और हर्षल पटेल की जगह बन रही है. भुवनेश्वर कुमार की जगह शमी को जगह मिल सकती है। अंतिम ग्यारह में यजुवेन्द्र चहल या आर अश्विन में कोई एक ही खेलेगा।

किदांबी श्रीकांत ने लोंग एंगस को हराया, डेनमार्क ओपन के दूसरे दौर में पहुंचे

ओडेंसे (एजेंसी)।

पूर्व चैम्पियन किदांबी श्रीकांत ने हांगकांग के एनजी का लोंग एंगस की कड़ी चुनौती से पार पाकर मंगलवार को यहां डेनमार्क ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में प्रवेश किया। श्रीकांत ने पांच साल पहले यहां खिताब जीता था।

विश्व चैंपियनशिप 2021 के रजत पदक विजेता श्रीकांत ने विश्व में 14वें नंबर के हांगकांग के खिलाड़ी को 56 मिनट तक चले मुकाबले में 17-21, 21-14, 21-12 से हराया। इससे पहले इन दोनों खिलाड़ियों के बीच रिकॉर्ड 3-3 से बराबर था। श्रीकांत को एंगस ने शुरू में कड़ी चुनौती दी और वह जल्द ही पिछड़ गए। हांगकांग के खिलाड़ी ने पहले गेम के इंटरवल तक 11-8 से बढ़त हासिल कर रखी थी। एंगस ने इसके बाद भारतीय खिलाड़ी को वापसी का कोई मौका नहीं दिया और पहला गेम अपने नाम किया।

दूसरे गेम में श्रीकांत ने शुरू में 6-3 से बढ़त हासिल की लेकिन एंगस ने जल्द ही वापसी करके 10-8 से बढ़त बना दी। श्रीकांत ने सही समय पर अपने खेल में सुधार किया और लगातार आठ अंक बनाकर 16-10 से बढ़त हासिल की। उन्होंने इसके बाद भी अच्छा प्रदर्शन किया और मैच को निर्णायक गेम तक खींच दिया। श्रीकांत ने तीसरे गेम में शानदार शुरुआत की और इंटरवल तक वह 11-4 की मजबूत बढ़त पर थे। इसके बाद उन्होंने कुछ शानदार शॉट जमा कर यह गेम और मैच अपने नाम किया। श्रीकांत अगले दौर में सिंगापुर के 2021 के विश्व चैंपियन लोह कीन यू से भिड़ेंगे।

एशिया कप के लिए पाकिस्तान नहीं जाएगी टीम इंडिया! जय शाह बोले- न्यूट्रल वेन्यू पर खेले जाएंगे मुकाबले

नई दिल्ली (एजेंसी)।

एशिया कप 2023 को लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है। जानकारी के मुताबिक भारतीय क्रिकेट टीम एशिया कप खेलने के लिए पाकिस्तान का दौरा नहीं करेगी। 2023 का एशिया कप वनडे प्रारूप में खेला जाना है। वर्तमान में 2023 के एशिया कप के लिए पाकिस्तान प्रस्तावित मेजबान है। हालांकि, भारत और पाकिस्तान के बीच रिश्ते तनावपूर्ण हैं। ऐसे में जो खबर मिल पा रही है उसके मुताबिक भारत सरकार फिलहाल टीम इंडिया को पाकिस्तान जाने की मंजूरी नहीं दी है। ऐसे में अब एशिया कप 2023 के मुकाबले न्यूट्रल वैल्यू पर खेले जाएंगे। इसको लेकर बीसीसीआई सचिव जय शाह का भी बयान सामने आ गया है। उन्होंने कहा है कि 2023 का एशिया कप न्यूट्रल वेन्यू पर होगा।

आपको बता दें कि इस साल भी एशिया कप न्यूट्रल वेन्यू पर ही हुआ था। श्रीलंका इस साल के एशिया कप की मेजबानी करने वाला था। हालांकि वहां की परिस्थितियां अनुकूल नहीं थी। इसलिए इस साल का एशिया कप यूएई में शिफ्ट किया गया था। जय शाह ने अपने वक्तव्य में कहा कि टीम को पाकिस्तान जाने का परमिशन सरकार की ओर से दिया जाता है। ऐसे में वह इस पर कमेंट नहीं करेंगे। यही कारण है कि 2023 के एशिया कप को न्यूट्रल वेन्यू पर खेले जाने का फैसला हुआ है। हालांकि, बीसीसीआई इस टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए टीम इंडिया को पाकिस्तान भेजने की तैयारी में थी। लेकिन कहीं ना कहीं सरकार का फैसला आखिरी फैसला होता है। आपको बता दें कि 2012-13 के बाद से भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय श्रृंखला नहीं हुई है। आईसीसी और एशिया कप के ही मुकाबले में ही भारत और पाकिस्तान की टीम आमने-सामने होती हैं। हाल में भारत और पाकिस्तान के बीच एशिया कप मुकाबले हुए थे। इसके अलावा 23 अक्टूबर को टी20 विश्व कप में भारत और पाकिस्तान का मुकाबला होगा। यह मुकाबला मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में खेला जाएगा।

बीसीसीआई अध्यक्ष चुने गए रोजर बिन्नी, जय शाह को पुनः सचिव चुना गया

मुबई (एजेंसी)।

भारत की विश्व कप विजेता टीम के सदस्य रहे रोजर बिन्नी को मंगलवार को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) का 36वां अध्यक्ष चुना गया। वह पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली की जगह दुनिया के सबसे अमीर क्रिकेट बोर्ड का संचालन करेंगे। बिन्नी को यहां बीसीसीआई की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में निर्विरोध चुना गया। जय शाह को लगातार दूसरे कार्यकाल के लिए पुन: सचिव चुना गया।

इन दोनों के अलावा जिन अन्य पदाधिकारियों को निर्विरोध चुना गया उनमें कोषाध्यक्ष आशीष शेलार, उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला और संयुक्त सचिव देवजीत सेकिया शामिल हैं। भारत के लिए 27 टेस्ट और 72 एकदिवसीय खेलने वाले 67 साल के बिन्नी भारत में अगले साल होने वाले एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय विश्व कप से पहले पद संभाल रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के चेयरमैन पद के चुनाव को लेकर हालांकि कोई चर्चा नहीं हुई। आईसीसी का अगला चेयरमैन अगले महीने मेलबर्न में बोर्ड की बैठक के दौरान चुना जाएगा। एजीएम में हिस्सा लेने वाले एक राज्य इकाई के अधिकारी ने पीटीआई को बताया, ''जहां तक आईसीसी में भारत के प्रतिनिधित्व का सवाल है तो इस पर फैसला पदाधिकारी करेंगे। आईसीसी के चेयरमैन पद को लेकर कोई चर्चा नहीं की गई। सिर्फ एजेंडे में शामिल मामलों पर चर्चा की गई।'' आईसीसी चेयरमैन पद के लिए नामांकन की समय सीमा 20 अक्टूबर है और बीसीसीआई के इस पद के लिए अपने उम्मीदवार को नामित करने की संभावना बेहद कम है। निवर्तमान कोषाध्यक्ष अरूण धूमल को अविषेक डालमिया के साथ आईपीएल संचालन परिषद में जगह मिली।

धूमल आईपीएल के नए अध्यक्ष होंगे। वह ब्रिजेश पटेल की जगह लेंगे। बीसीसीआई ने बयान में कहा, ''आम सभा ने निवर्तमान पदाधिकारियों, आईपीएल संचालन परिषद के अध्यक्ष और सदस्यों की उनके कार्यकाल के दौरान हुए कामों और प्रयासों की सराहना की।'' एमकेजे मजूमदार को बीसीसीआई की शीर्ष परिषद में आम सभा का प्रतिनिधि चुना गया। आम सभा ने पहले महिला आईपीएल टूर्नामेंट को भी स्वीकृति दी जिसमें पांच टीम होंगी और यह मार्च में आयोजित होगा। एक सूत्र ने कहा, ''टीमों की बिक्री कैसे होगी और टूर्नामेंट का संचालन कैसे होगा इसका फैसला संचालन परिषद जल्द ही करेगी।

तेंदुलकर ने शमी को बुमराह का सबसे बेहतर विकल्प बताया

सिडनी । महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने जसप्रीत बुमराह की जगह शामिल तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की जमकर प्रशंसा की है। शमी ने टी20 विश्व कप के अभ्यास मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया है। भारतीय टीम ने इस मुकाबले ऑस्ट्रेलिया को 6 रन से हराया। शमी ने अंतिम ओवर में 4 गेंद पर 4 विकेट लिए। इसमें 3 विकेट उन्होंने लिए जबकि एक रन आउट किया। इससे पहले शमी के प्रदर्शन को लेकर सवाल थे, क्योंकि उन्होंने पिछले 3 महीने से कोई भी मैच नहीं खेला था। उन्होंने अपने प्रदर्शन से टीम प्रबंधन को राहत दी है। शमी को मैच में 19 ओवर तक गेंदबाजी करने का मौका नहीं मिला पर 20वें ओवर में कप्तान रोहित शर्मा ने उन्हें गेंद दी। इससे पहले डेथ ओवर्स में भारतीय गेंदबाजों ने खूब रन दिये थे।

भारत में जन्में यूएई के स्पिन गेंदबाज कार्तिक मय्यपन ने ली विश्वकप की पहली हैट्रिक

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत में जन्में यूएई के 22 वर्षीय लेग स्पिन गेंदबाज कार्तिक मय्यपन ने टी20 विश्वकप-2022 में शानदार प्रदर्शन करते हुए पहली हैट्रिक ली। उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ ग्रुप-ए के एक मुकाबले में यह कमाल किया। कार्तिक ने श्रीलंका की पारी के 15वें ओवर में यह उपलब्धि हासिल की। यह टी20 विश्व कप के इतिहास की पांचवीं हैट्रिक है। टी20 वर्ल्ड कप में पहली हैट्रिक 2007 में ऑस्ट्रेलिया के पूर्व पेसर ब्रेट ली ने ली थी। कार्तिक ने श्रीलंका की पारी के 15वें ओवर की चौथी गेंद पर भानुका राजपक्षे को काशिफ दाउद के हाथों कैच आउट करवाया। मय्यपन की यह गेंद ऑफ स्टम्प के बाहर की तरफ थी। इस पर बड़ा शॉट खेलने के चक्कर में राजपक्षे डीप कवर में कैच आउट हो गए। मय्यपन ने अगली ही गेंद पर चरिथ असालंका को अपना शिकार बनाया। कार्तिक की यह गेंद गुगली थी। इसमें अतिरिक्त उछाल था। इस गेंद पर शॉट खेलने के चक्कर में असलंका गच्चा खा गए और गेंद उनके बल्ले का किनारा लेकर विकेटकीपर के ग्लव्स में समा गई।

मंधाना-दीप्ति आईसीसी रैंकिंग में दूसरे स्थान पहुंची -रेणुका सर्वश्रेष्ठ तीसरे स्थान पर पहुंची

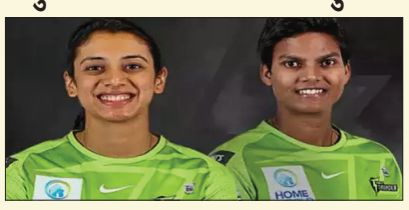

दुबई । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ दूसरे स्थान पर पहुंच गई हैं। मंधाना और दीप्ति दोनों को रैंकिंग में एक-एक स्थान का लाभ हुआ है। मंधाना एकदिवसीय में शीर्ष रैंकिंग की बल्लेबाज रही हैं। उन्होंने टी20 प्रारूप में खेले गये एशिया कप के फाइनल में शानदार पारी खेली थी जिससे उनकी रैंकिंग बेहतर हुई है। वहीं मंधाना के नाम 730 रेटिंग अंक हैं और वह शीर्ष पर बरकरार ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी से 13 अंक ही पीछे है। दीप्ति 742 रेटिंग के साथ गेंदबाजों की सूची में दूसरे पायदान पर हैं। वहीं शीर्ष पर बरकरार इंग्लैंड की स्पिनर सोफी एक्लेस्टोन के उनसे 14 अंक ज्यादा हैं।

दीप्ति ऑलराउंडर खिलाड़ियों की सूची में 370 रेटिंग अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है। इस तालिका में वेस्टइंडीज की हेले मैथ्यूज 377 और न्यूजीलैंड की सोफी डिवाइन 390 शीर्ष दो खिलाड़ी हैं। एशिया कप के फाइनल में पांच रन देकर तीन विकेट लेकर मैच की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बनीं तेज गेंदबाज रेणुका सिंह पांच स्थान लाभ के साथ ही करियर के सर्वश्रेष्ठ तीसरे स्थान पर पहुंच गई हैं। वही स्नेह राणा भी पांच पायदान ऊपर सर्वश्रेष्ठ 10वें स्थान पर हैं। इसके अलावा सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा एक स्थान के लाभ से सातवें और कप्तान हरमनप्रीत कौर तीन पायदान के फायदे से 14वें स्थान पर पहुंच गयी हैं।

भारत ने बीडब्ल्यूएफ विश्व जूनियर मिश्रित टीम चैंपियनशिप में ऑस्ट्रेलिया को हराया

सैंटेंडर (स्पेन) (एजेंसी)।

युवा खिलाड़ी उन्नति हुड्डा के शानदार प्रदर्शन से भारत ने मंगलवार को यहां बीडब्ल्यूएफ विश्व जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप की मिश्रित टीम स्पर्धा के ग्रुप बी के अपने तीसरे मैच में ऑस्ट्रेलिया को 3-2 से हराया। हरियाणा की 15 साल की उन्नति ने पहले मैच में अर्श मोहम्मद और अभिनव ठाकुर की पुरुष युगल जोड़ी की हार के बाद भारत को बराबरी दिलाई। ईशारानी बुरुआ और देविका सिहाग की महिला युगल जोड़ी तथा विग्नेश थथिनेनी और श्रीनिधी नारायणन की मिश्रित युगल जोड़ी ने इसके बाद अंतिम दो मैच जीतकर भारत को जीत दिलाई। अर्श और अभिनव को पहले मैच में रिकी टैंग और ओटो शिंग डि झाओ की जोड़ी के खिलाफ 12-21 17-21 से शिकस्त झेलनी पड़ी। ओडिशा ओपन चैंपियन उन्नति ने इसके बाद सिडनी को 21-6 21-9 से हराकर मुकाबला 1-1 से बराबर किया। पुरुष एकल में भारत राघव को आस्ट्रेलिया के जैक यू के खिलाफ करीबी मुकाबले में 19-21 21-16 15-21 से हार का सामना करना पड़ा जिससे ऑस्ट्रेलिया की टीम 2-1 से आगे हो गई। ईशारानी और देविका ने डानिया नुग्रोहो और कैटरीना चिया यू टैन को 21-8 21-8 से हराकर भारत को बराबरी दिलाई। विग्नेश और श्रीनिधी ने इसके बाद ओटो शिंग डि झाओ और यूलिन झेंग की जोड़ी को 21-12 21-16 से हराकर भारत को जीत दिला दी। भारत ने पहले मुकाबले में आइसलैड को 5-0 से हराया था लेकिन इसके बाद चीन के खिलाफ उसे 0-5 से शिकस्त झेलनी पड़ी। पांचवीं वरीय भारतीय टीम ग्रुप बी के अपने अंतिम मुकाबले में स्लोवेनिया से भिड़ेगी। भारत 2019 में पिछले टूर्नामेंट में 12वें स्थान पर रहा था। टीम का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2008 में था जब टीम चौथे स्थान पर रही। भारत अभी ग्रुप में चीन के बाद दूसरे स्थान पर चल रहा है। शीर्ष पर रहने वाली टीम क्वार्टर फाइनल में जगह बनाएगी जबकि दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम नौवें से 16वें स्थान के लिए चुनौती पेश करेगी। तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम 17वें से 24वें स्थान के लिए भिड़ेंगी जबकि चौथे स्थान पर रहने वाली टीम 25वें से 32वें और पांचवें स्थान पर रहने वाली टीम 33वें से 38वें स्थान के लिए खेलेंगी।

एमचैस रैपिड शतरंज -गुकेश, अर्जुन और विदित नें बनाई प्ले ऑफ में जगह

नई दिल्ली । चैंपियनशिप चैस टूर के आठवे पड़ाव एमचैस रैपिड शतरंज के लीग चरण के बाद पहली बार तीन भारतीय खिलाड़ी एक साथ प्ले ऑफ में जगह बनाने में कामयाब रहे है । लीग चरण के अंतिम दिन 3 राउंड खेले गए और इसके बाद डी गुकेश, अर्जुन एरिगासी और विदित गुजराती अंतिम 8 में जगह बनाने में कामयाब रहे । गुकेश नें दिन की शुरूआत 21 अंको के साथ की थी और पहले ही राउंड में उन्हे जर्मनी के विन्सेंट केमर के हाथो हार का सामना करना पड़ा पर उसके बाद उन्होने हमवतन आदित्य मित्तल और फिर रोमानिया के रिचर्ड रापोर्ट को पराजित करते हुए 27 अंक बनाकर दूसरा स्थान हासिल कर लिया । अर्जुन के लिए भी दिन की शुरुआत हार से हुई उन्हे रोमानिया के रिचर्ड रापोर्ट से हार का सामना करना पड़ा पर उसके बाद उन्होने स्पेन के डेविड अंटोन और नीदरलैंड के अनीश गिरि को पराजित करते हुए 27 अंक बनाकर टाईब्रेक में चौंथा स्थान हासिल कर लिया । अर्जुन की अंतिम राउंड की जीत का फायदा मिला भारत के विदित गुजराती को जिन्होने अंतिम दिन हमवतन आदित्य मित्तल और स्पेन के डेविड अंटोन को हराकर जबकि रिचर्ड रापोर्ट से ड्रॉ खेलकर 21 अंको के साथ आठवाँ स्थान हासिल कर लिया ।

स्कॉटलैंड ने वेस्टइंडीज को हराकर उलटफेर किया, जिंबाब्वे ने आयरलैंड को हराया

मेलबर्न (एजेंसी)।

स्कॉटलैंड ने शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन की बदौलत यहां वर्षा से बाधित टी20 विश्व कप के ग्रुप बी मैच में दो बार के चैंपियन वेस्टइंडीज को 42 रन से हराकर उलटफेर किया। वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया जिसके बाद स्कॉटलैंड ने सलामी बल्लेबाज जॉर्ज मुन्से की 53 गेंद में नौ चौकों से नाबाद 66 रन की पारी से पांच विकेट पर 160 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। स्कॉटलैंड ने इसके बाद टी20 विश्व कप के इतिहास में दो खिताब जीतने वाली एकमात्र टीम वेस्टइंडीज को 18.3 ओवर में सिर्फ 118 रन पर समेटकर आसान जीत दर्ज की।

वेस्टइंडीज को सुपर 12 चरण में जगह बनाने की दौड़ में बने रहने के लिए अब बुधवार को जिंबाब्वे को हर हाल में हराना होगा। दूसरी तरफ रिची बेरिंगटन की अगुआई वाली टीम को सुपर 12 चरण में जगह बनाने के लिए अपने यूरोपीय प्रतिद्वंद्वी आयरलैंड को हराना होगा। बेरिंगटन ने कहा, ''हमें उतने टी20 मैच खेलने को नहीं मिले जितने हम चाहते थे लेकिन हमने 50 ओवरों का काफी क्रिकेट खेला है। यह उस कौशल को छोटे प्रारूप में दिखाने से जुड़ा है।''

अपने स्पिनरों के प्रयास की सराहना करते हुए उन्होंने कहा, ''उन्होंने महत्वपूर्ण क्षणों में हमारे लिए शानदार काम किया। वॉट ने अच्छी शुरुआत की और वह हमेशा महत्वपूर्ण विकेट लेते हैं। लीस्क ने भी लगातार चार ओवर काफी अच्छी तरह डाले।'' हार से निराश विंडीज के कप्तान निकोलस पूरन ने कहा, ''हमें कड़ी मेहनत करनी होगी और दो मैच जीतने होंगे। हमें जवाबदेही और जिम्मेदारी लेनी होगी। बारिश के कारण 20 मिनट के ब्रेक ने भी स्कॉटलैंड की राह आसान कर दी क्योंकि बेवेरिव ओवल में परिस्थितियां धीमी हो गईं। बाएं हाथ के स्पिनर मार्क वॉट ने गेंदबाजी का आगाज किया और चार ओवर में 12 रन देकर तीन विकेट चटकाए। आफ स्पिनर मार्क लीस्क ने भी 15 रन देकर दो विकेट हासिल किए। धीमे हालात के बीच 161 रन का लक्ष्य वेस्टइंडीज के लिए काफी बड़ा साबित हुआ क्योंकि टीम की बल्लेबाजी में काफी गहराई नहीं थी और टीम को बीच के ओवरों में आक्रामक बल्लेबाज शिमरोन हेटमायर की कमी खली। सलामी बल्लेबाज काइल मायर्स ने 13 गेंद में तीन चौकों और एक छक्के से 20 रन बनाकर वेस्टइंडीज को अच्छी शुरुआत दिलाई। मुन्से ने हालांकि तीसरे ओवर में डीप मिडविकेट पर मायर्स का शानदार कैच लपककर उनकी पारी का अंत किया। दूसरे सलामी बल्लेबाज ब्रेंडन किंग भी 15 गेंद में 17 रन बनाने के बाद पावर प्ले के भीतर पवेलियन लौट गए जिससे वेस्टइंडीज की टीम कभी नहीं उबर पाई। ऑफ स्पिनर लीस्क ने इसके बाद कप्तान पूरन को आउट करके वेस्टइंडीज की परेशानी बढ़ाई।

वीजा खारिज किए जाने से विश्व चैंपियनशिप में भाग नहीं ले पाएंगे 21 भारतीय पहलवान

नई दिल्ली। स्पेन के दूतावास ने एक अजीबोगरीब फैसला करते हुए उन 21 भारतीय पहलवानों को वीजा देने से इनकार कर दिया, जिन्हें पोंटेवेदरा में अंडर-23 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में हिस्सा लेना था। राष्ट्रीय महासंघ ने सोमवार को बताया कि वीजा आवेदन केवल इसलिए खारिज कर दिया गया क्योंकि उन्हें संदेह है कि खिलाड़ी वीजा अवधि समाप्त होने तक देश नहीं छोड़ेंगे। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने सोमवार से शुरू हुई चैंपियनशिप के लिए 30 सदस्यीय टीम चुनी थी, लेकिन केवल नौ खिलाड़ियों को ही वीजा दिया गया। जो भारतीय पहलवान चैंपियनशिप में भाग लेने से चूक गए उनमें अंडर 20 महिला विश्व चैंपियन अंतिम पंघाल भी शामिल है। डब्ल्यूएफआई के सहायक सचिव विनोद तोमर ने पीटीआई से कहा,'' हमने इस तरह की स्थिति का सामना पहले कभी नहीं किया था। भारत सरकार का मंजूरी पत्र और विश्व कुश्ती की संचालन संस्था यूडब्ल्यूडब्ल्यू का निमंत्रण पत्र दिखाने के बावजूद हमारे पहलवानों को तुच्छ आधार पर वीजा नहीं दिया गया।'' उन्होंने कहा, ''हमें आज शाम को नामंजूरी का पत्र मिला जब हमने जल्द से जल्द पासपोर्ट वापस करने का आग्रह किया था। यह वास्तव में अजीबोगरीब है। यह वास्तव में हमारी समझ से परे है कि अधिकारी इस नतीजे पर कैसे पहुंचे कि भारतीय पहलवान और कोच वापस भारत नहीं लौटेंगे।''

टी20 विश्व कप: गावस्कर ने कहा- फाइनल में पहुंचेगी ये दो दिग्गज टीमें

नई दिल्ली (एजेंसी)।

टी-20 विश्व कप का रोमांच फैंस के सिर चढ़कर बोल रहा है। ऑस्ट्रेलिया में 16 अक्तूबर से शुरू हुए इस टूर्नामेंट के शुरूआत में ही कई उल्टफेर देखने को मिल रहे हैं। सुपर-12 के लिए खेले जा रहे क्वालीफायर मैचों में नामीबिया ने एक बार की टी-20 चैंपियन श्रीलंका और स्कॉटलैंड ने दो बार की टी-20 चैंपियन वेस्टइंडीज को हराकर सब को हैरान कर दिया है। भारत ने अपने पहले अभ्यास मैच में डिफेंडिग चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को 6 रन से मात दे दी है। भारत यह मैच लगभग हार चुका था, मैच के आखिरी ओवर में ऑस्ट्रेलिया के हाथ में 4 विकेट थे और 11 रन की दरकार थी, लेकिन आखिरी ओवर में मोहम्मद शमी ने 4 रन देते हुए 3 विकेट चटकाए और मैच का रूख पल्ट दिया। इस अभ्यास मैच से पहले ही पूर्व भारतीय सुनील गावस्कर ने बड़ी प्रतिक्रिया देते हुए, टी-20 विश्व कप में पहुंचने वाली 2 फाइनलिस्ट टीमों की भविष्यवाणी कर दी है।

सुनिल गावस्कर ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा,÷भारत, निश्चित रूप से फाइनल जाएगा और क्योंकि मैं ऑस्ट्रेलिया में हूं इसलिए दूसरे फाइनलिस्ट को तौर पर मैं ऑस्ट्रेलिया का नाम लूंगा।

गावस्कर के अलावा ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ऑलराउंडर टॉम मूडी ने भी इन दोनों टीमों को अपने फाइनलिस्ट के रूप में चुना है। मूडी ने कहा,÷मैं आपको शीर्ष चार टीमें देने जा रहा हूं। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड की टीम अपने ग्रुप से सेमीफाइनल में पहुंचेगी। मुझे लगता है कि पाकिस्तान और भारत की टीम दूसरे ग्रुप से सेमीफाइनल में पहुंचेगी। फाइनल में, मेरा कहना है कि ऑस्ट्रेलिया और भारत दोनों फाइनलिस्ट रहेंगे।'

टी-20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अभ्यास मैच जीतने के बाद, भारत अब दूसरा अभ्यास मैच बुधवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलेगा। वहीं, सुपर-12 के चरण का पहला मुकाबला भारत अपने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ 23 अक्तूबर को मेलबर्न में खेलेगा। इस मैच का फैंस बड़ी उत्सुक्ता से इंतजार कर रहे हैं। भारतीय फैंस को उम्मीद रहेगी कि भारत इस मैच में पाकिस्तान को हराकर पिछले टी-20 विश्व कप की हार का बदला ले।

बैंकिंग सेक्टर में भी इस तरह बन सकते हैं लीडर

जरूरी नहीं कि हमेशा बॉस ही लीडर हो, कोई और भी लीडर हो सकता है। लीडरशिप का गुण ऑफिस में आपके व्यवहार में प्रतिबिंबित हो ही जाता है। बैंकिंग सेक्टर में भी हर ब्रांच में एक लीडर की जरूरत होती है और बैंक ऑफिसर्स की भर्ती करने वाले इंटरव्यू पैनल ऐसे ही लीडर की तलाश में होते हैं। किसी बैंक ब्रांच में दूसरों का नेतृत्व करने के लिए कई गुणों की जरूरत होती है।

किसी भी सेक्टर में या किसी भी ऑफिस में, ऐसे लोग होते हैं जो दूसरों को उनका काम करने में मार्गदर्शन देते हैं। जरूरी नहीं कि हमेशा बॉस ही लीडर हो, कोई और भी लीडर हो सकता है। लीडरशिप का गुण ऑफिस में आपके व्यवहार में प्रतिबिंबित हो ही जाता है। बैंकिंग सेक्टर में भी हर ब्रांच में एक लीडर की जरूरत होती है और बैंक ऑफिसर्स की भर्ती करने वाले इंटरव्यू पैनल ऐसे ही लीडर की तलाश में होते हैं। किसी बैंक ब्रांच में दूसरों का नेतृत्व करने के लिए कई गुणों की जरूरत होती है। कारण यह कि बैंक में किसी भी दिन ऐसी कई स्थितियां बन सकती हैं, जिनमें संभव है कि ब्रांच मैनेजर भी न समझ पाए कि क्या किया जाना चाहिए। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि ब्रांच में कोई तो हो, जो रास्ता दिखा सके। एक बैंकर को अच्छा लीडर बनाने वाले गुण इस प्रकार हैं –

त्वरित बुद्धि

यह सबसे ज्यादा जरूरी है क्योंकि जब भी पैसों संबंधी कोई समस्या उठ खड़ी होती है, तो अक्सर लोगों का दिमाग काम करना बंद कर देता है। आखिर सवाल रुपए-पैसों का जो है! ऐसी स्थिति में एक लीडर की त्वरित बुद्धि के चलते उसके समक्ष एक नहीं, अनेक उपाय उठ खड़े होंगे। तब वह उनमें से श्रेष्ठ उपाय को चुनकर लागू करेगा।

ठंडा दिमाग

लीडरशिप के लिए यह बहुत जरूरी होता है। बैंकिंग में आपका पाला कई लोगों से पड़ेगा और सब एक जैसे नहीं होंगे। ऐसे भी लोग होंगे, जो बैंक में आकर आपसे या स्टाफ के किसी अन्य सदस्य से बहस करेंगे लेकिन ऐसे में आपको अपना संतुलन नहीं खोना है। याद रखें, वह व्यक्ति तो अपना काम कराकर चला जाएगा लेकिन यदि आप गरम दिमाग से दिन भर काम करेंगे, तो आपसे जरूर कोई-न-कोई गलती हो ही जाएगी! इसलिए लीडर के लिए हर हाल में शांत बने रहना जरूरी है। वैसे भी ग्राहक तो ग्राहक होता है और बैंक कर्मचारी के तौर पर आपका काम उसकी सेवा करना ही है।

लचीलापन

लीडर होने का यह मतलब नहीं कि आप अपनी मर्जी से लोगों को हांक लेंगे। यह संभव नहीं कि किसी के पास हर समस्या का समाधान हो। हो सकता है कि आपके पास किसी समस्या का समाधान न हो लेकिन किसी और के पास यह होगा। आपको उस शख्स की मदद लेनी होगी ताकि काम हो सके। एक सच्चा लीडर इतना लचीलापन हमेशा रखता है।

अच्छे संबंध रखें

बैंकिंग में यह बहुत जरूरी है क्योंकि बैंकिंग का व्यवसाय मूल रूप से विश्वास पर ही टिका होता है। आपको ब्रांच के हर कर्मचारी तथा ग्राहक के साथ अच्छे संबंध बनाकर रखने होते हैं। इससे ब्रांच में माहौल सकारात्मक बना रहता है।

दूसरों का सहारा बनें

गलती हर किसी से होती है और बैंकिंग में होने वाली गलती पैसे से जुड़ी ही होगी। बैंकर के रूप में, आपको जरूरत के समय अपने साथियों का साथ देना चाहिए। इससे उनकी नजरों में आप सच्चे लीडर होंगे।

लगन व परिश्रम

लीडर होने का मतलब है दूसरों के लिए मिसाल पेश करना और लगनशील व परिश्रमी होने की मिसाल से बेहतर क्या हो सकता है? जब साथी आपको मेहनत कर परिणाम प्राप्त करते देखेंगे, तो वे भी ऐसा ही करने को प्रेरित होंगे।

औरों से दो कदम आगे रहें

बैंकिंग जैसे प्रतिस्पधी क्षेत्र में यह बहुत जरूरी है कि लीडर अपनी सोच और अपने व्यवहार में दूसरों से हमेशा दो कदम आगे रहे। तभी तो वह अपने संस्थान को आगे ले जा पाएगा।

फोटोग्राफी की इन शाखाओं में बना सकते हैं शानदार करियर

फोटोग्राफी अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम है। इस बात को ऐसे भी समझा जा सकता है कि किसी बात को कहने में जहां हजार शब्दों की जरूरत पड़ सकती है, वहीं एक फोटो हजार शब्दों को बयां कर देता है। फोटोग्राफी में करियर बनाने के लिए इस फील्ड में अनुभव के साथ इसका शौक होना भी बहुत जरूरी है। यह क्षेत्र न सिर्फ अच्छा पैसा देता है, बल्कि ग्लैमर से भी जुड़ा हुआ है।

क्या आपमें है धैर्य?

इस क्षेत्र में सफल होने के लिए एक मूलमंत्र है धैर्य। अच्छे क्लिक के लिए धैर्य की बहुत जरूरत होती है। फिर चाहे आप किसी भी माहौल में काम कर रहे हों। तनावपूर्ण माहौल हो या भीड़ भरे इलाके, फोटोग्राफर को अच्छा परिणाम देने में सक्षम होना पड़ता है। फोटोग्राफर और सिनेमेटोग्राफर के लिए अपनी आंखों का सही इस्तेमाल करना बेहद जरूरी है। उसके लिए उसका कैमरा ही उसकी आंखें है। इसके अलावा, फीलांस फोटोग्राफर या व्यवसायिक फोटोग्राफरों के पास तकनीकी कौशल के साथ व्यापारिक समझ भी होनी चाहिए। तकनीकी पहलू लाइटिंग, लैंस, रिफ्लेक्टर, फिल्टर और सेटिंग्स जैसी तकनीकों का इस्तेमाल करके ही फोटोग्राफर किसी पिक्चर को कैप्चर करते हैं। इसी के साथ अच्छी फोटो खींचने के लिए कई चीजों के समायोजन की जरूरत होती है, जैसे कैमरे की क्वॉलिटी, सब्जेक्ट, लाइटिंग, फोटोग्राफर का कौशल आदि। डिजिटल कैमरों में इलेक्ट्रॉनिक मेमरी का इस्तेमाल किया जाता है। इन तकनीकों की जानकारी होना आज के समय में जरूरी है।

फोटोग्राफी की शाखाएं

फोटोग्राफी की कुछ खास शाखाएं हैं, जिनमें आप अपना करियर बना सकते हैं। ये इस प्रकार हैं –

विज्ञापन/ फैशन – विज्ञापनों और विज्ञापन एजेंसियों के कार्य के लिए कुशल फोटोग्राफरों की जरूरत होती है। फैशन फोटोग्राफी काफी हद तक एडवर्टाइजिंग फोटोग्राफी के समान ही होती है लेकिन इसमें तकनीक से ज्यादा परिधानों को उजागर करने की क्षमता जरूरी होती है।

कला/ फिल्म – आजकल किसी भी फिल्म की मेकिंग से लेकर उसके प्रदर्शन तक सारी गतिविधियां कैमरे में कैद की जाती हैं। इसके लिए हाई क्वॉलिटी और हाई रिजॉल्यूशन फोटोग्राफी का विशेष तौर पर ध्यान रखा जाता है।

साइंस/ मेडिकल/ तकनीक – इन क्षेत्रों में कार्यरत फोटोग्राफर कला से ज्यादा महत्व वस्तुपरक दृष्टिकोण को देते हैं, जिससे तथ्य को समझने में आसानी हो सके। फॉरेन्सिक लैब हो या वारदात का स्थान, सभी जगह कई एंगलों से फोटो खींचने होते हैं।

फोटो जर्नलिज्म – अगर आप फोटो जर्नलिस्ट हैं, तो तुरंत घटनास्थल तक पहुंचने के साथ ही सबसे पहले प्रेस या स्टूडियो तक जानकारी पहुंचाने की जिम्मेदारी आपको ही निभानी होती है। फोटो जर्नलिज्म में फोटो की श्रृंखलाओं के माध्यम से किसी विषय या घटना के बारे में स्टोरी फाइल की जाती है। आज के डिजिटल दौर में विश्व की प्रमुख घटनाओं को फोटो के माध्यम से कवर करने का रुझान तेजी से बढ़ा है।

कैसे करें शुरूआत?

बारहवीं या ग्रेजुएशन के बाद इस फील्ड में प्रवेश लिया जा सकता है। इस कोर्स को सरकारी या निजी स्तर पर कई संस्थान कराते हैं। कोर्स करने से पहले बेसिक फोटोग्राफी का ज्ञान हासिल कर लेना अच्छा रहता है। बेहतर होगा कि एक डिजिटल कैमरा लेकर इसकी शुरूआत कर दी जाए। जब आपको लगे कि आप इस कोर्स के लिए पूरी तरह तैयार हैं, तो फिर डिजिटल एसएलआर खरीदकर प्रोफेशनली इससे जुड़ जाएं।

प्रशिक्षण भी अहम

फोटोग्राफी के प्रशिक्षण के लिए किसी अच्छे संस्थान से फाइन आर्ट्स या मास कम्युनिकेशन कोर्स करके अच्छा ज्ञान प्राप्त किया जा सकता है। वहीं मोशन फोटोग्राफी का प्रशिक्षण फिल्म एवं टेलीविजन संस्थानों द्वारा दिया जाता है। सबसे पहले किसी अच्छे संस्थान में प्रवेश लेना जरूरी है। इनमें फोटोग्राफी कला का अध्ययन कराया जाता है। इससे आपको मूलभूत जानकारी प्राप्त हो सकेगी। जब आपको लगे कि आप पर्याप्त सक्षम हो गए हैं, तो किसी एक्सपर्ट फोटोग्राफर के साथ काम कर बारीक चीजों को भी सीख सकते हैं। फिर उच्च शिक्षण संस्थान की ओर रुख कर सकते हैं। यदि यह तरीका न भाए, तो दूसरे तरीके से फाइन आर्ट्स, विजुअल आर्ट्स, मास कम्युनिकेशन, जर्नलिज्म जैसे कोर्स में प्रवेश लें। इसमें आपको फोटोग्राफी मुख्य कोर्स के तौर पर पढ़ाई जाएगी। ध्यान रहे, प्रशिक्षण आपको तकनीकी पहलुओं की जानकारी दे सकता है लेकिन नए विचार और व्यक्तिगत स्टाइल तो स्वयं ही विकसित करनी होती है। व्यवहारिक ज्ञान यहां सबसे जरूरी होता है।

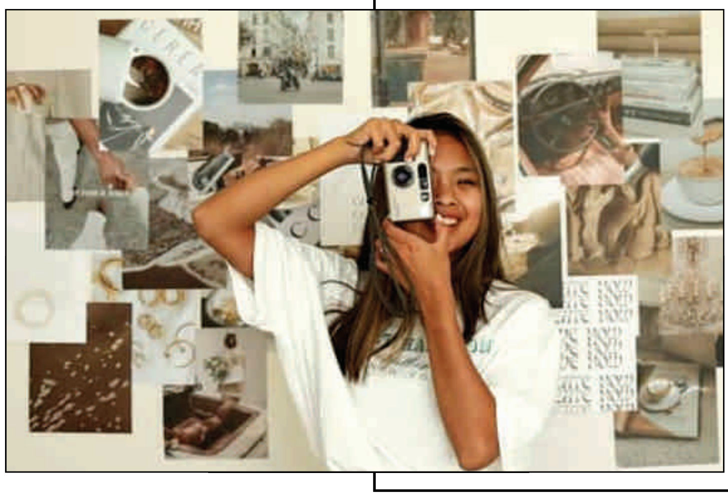

इन टिप्स को अपनाकर बन सकते हैं एक अच्छा मैनेजर

किसी भी संस्थान में एक मैनेजर की अहम भूमिका होती है। अगर आप भी अपने करियर में आगे बढ़ते हुए इस पद पर पहुंच गए हैं या पहुंचना चाहते हैं तो आपको अपने कार्यक्षेत्र के अलावा और भी चीजों पर ध्यान देना होगा। आपको अपनी सॉफ्ट स्किल्स की असली परीक्षा यही देनी होती है। एक लीडर के रूप में आप सभी सफल हो सकते हैं जब आपके कर्मचारी आपके साथ खुश, प्रेरित और उत्साहित महसूस करें।

कर्मचारियों को प्रेरित करना

अगर आप अपनी टीम का सम्मान करेंगे तो वे आपका सम्मान करेंगे। आपको उनकी हर छोटी-बड़ी चीजों का एप्रिशियेट करना होगा। उनसे अपने काम की ही फीडबैक न लेते रहें, बल्कि उनकी व्यक्तिगत समस्याओं को शेयर करने के लिए भी प्रोत्साहित करें।

फील गुड कराएं

कर्मचारियों से केवल काम लेना है, ऐसी सोच आपके अच्छे मैनेजर बनने का गुण नहीं है। एक सफल मैनेजर में अपने कर्मचारियों की अच्छी बातों और क्षमताओं को पहचाने की समझ होती है। उनका मनोबल बढ़ाने के साथ उन्हें ऐसा माहौल दें कि वे बेहिचक काम कर सकें।

पीठ पीछे भी प्रशंसा

आपको उनके काम, व्यवहार, उदारता की तारीफ उनके सामने तो करनी ही चाहिए। साथ ही आपको उनके पीठ पीछे भी तारीफ करना चाहिए। एक कर्मचारी जो जानता है कि उसकी कितनी प्रशंसा की जाती है तो वह ज्यादा मेहनत करेगा, अपने काम में ज्यादा आनंद लेगा और इस मानसिक खुशी को वह दूसरे कर्मचारियों के साथ बांटेगा।

जिम्मेदारी सौंपे

आप एक मैनेजर है क्योंकि आप अपने काम में एक्सपर्ट है लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आपको सारा काम खुद करना है। आपको यह समझ होनी चाहिए कि कौन सा काम,कौन सा कर्मचारी बखूबी पूरा कर सकता है। आपको अपने कर्मचारी को सीखने और नए अवसर देने की कोशिश करनी चाहिए। धीरे-धीरे जैसे आप उनकी सक्षमता और कमजोरियों को समझने लगें उन्हें ज्यादा जिम्मेदारी के काम सौपें।

मैथ्स में है रूचि तो इन क्षेत्रों में बना सकते हैं करियर

गणित मनुष्य के ज्ञान की एक अत्यधिक उपयोगी तथा आकर्षक शाखा है। इसमें अध्ययन के कई विषय शामिल हैं। भारत में प्राचीन काल से ही गणित की एक सुदृढ़ परंपरा रही है और आज भी यहां गणित में विश्व स्तर के अनुसंधान करने वाले अनेक संस्थान हैं। गणनाओं में रुचि रखने वाले युवा बड़ी संख्या में गणित को करियर के रूप में चुनते हैं। गणित लगभग सभी वैज्ञानिक अध्ययनों का एक अनिवार्य अंग है। वैज्ञानिक गणित का उपयोग प्रयोगों की रूपरेखा बनाने, सूचना का विश्लेषण करने, गणित के सिद्धांतों द्वारा अपने निष्कर्ष उचित रूप में व्यक्त करने तथा इन निष्कर्षों के आधार पर सटीक भविष्यवाणी करने के लिए करते हैं। खगोल विज्ञान, रसायन विज्ञान तथा भौतिक विज्ञान जैसे विषय तो गणित पर ही निर्भर हैं। सामाजिक विज्ञान, अर्थशास्त्र, सांख्यिकी, इंजीनियरिंग आदि भी गणित की ही शाखाओं पर निर्भर होते हैं।

भारत में 135 से भी अधिक विश्वविद्यालय गणित से जुड़े कोर्स चलाते हैं। कुछ विश्वविद्यालय शुद्ध गणित (प्योर मैथमेटिक्स) व अनुप्रयुक्त गणित (अप्लायड मैथमेटिक्स) में विशेषज्ञता प्रदान करते हैं। आप कुछ स्थानों पर चलाए जाने वाले एकीकृत एमएससी पीएचडी डिग्री कोर्स के लिए भी आवेदन कर सकते हैं। यूं देश में स्नातक स्तर पर गणित की शिक्षा देने वाले दो विश्व स्तरीय संस्थान हैं भारतीय सांख्यिकी संस्थान (आईएसआई), बेंगलुरू तथा चेन्नाई गणित संस्थान (सीएमआई), चेन्नाई। आईएसआई से गणित व कम्प्यूटर विज्ञान में बी. मैथ्स डिग्री तथा सीएमआई से गणित की बीएससी डिग्री की जा सकती है। इनमें प्रवेश प्रत्येक वर्ष मई के अंत में देश के विभिन्ना केंद्रों पर आयोजित की जाने वाली एक लिखित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से दिया जाता है। ये दोनों संस्थान ऐसे विद्यार्थियों को भी अपने यहां प्रवेश देते हैं, जो इंडियन नेशनल मैथमेटिकल ओलिंपियाड (आईएनएमओ) में पास होते हैं या किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना (केवीपीवाई) अध्येता होते हैं। गणित में विशेषज्ञतापूर्ण कोर्स चलाने वाले देश के अन्य प्रमुख संस्थान इस प्रकार है –

- औद्योगिक गणित में पाठ्यक्रम पुणे विश्वविद्यालय, पुणे में उपलब्ध है।
- न्यूमेरिकल मैथमेटिक्स पाठ्यक्रम मदुरै कामराज विश्वविलाय, मदुरै में उपलब्ध है।
- गणितीय अर्थशास्त्र में पाठ्यक्रम देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर में उपलब्ध है।
- इसके अलावा एमएससी व पीएचडी कोर्स के लिए देश के प्रमुख संस्थान इस प्रकार हैं –
- टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च (टीआईएफआर), मुंबई। लिखित परीक्षा तथा उसके बाद साक्षात्कार के माध्यम से इस संस्थान के पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जाता है।
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (आईआईएसईआर), पुणे/ मोहाली/ कोलकाता/ तिरुवनंतपुरम/ भोपाल तथा नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (एनआईएसईआर), भुवनेश्वर में भी गणित में एकीकृत एमएससी डिग्री कोर्स उपलब्ध है। आईआईएसईआर विद्यार्थियों को आईआईटी प्रवेश परीक्षा के आधार पर प्रवेश देता है, जबकि एनआईएसईआर नेशनल एंट्रेंस स्क्रीनिंग टेस्ट (एनईएसटी) के माध्यम से प्रवेश देता है।
- हैदराबाद विश्वविलाय द्वारा गणित में एकीकृत एमएससी पाठ्यक्रम चलाया जाता है। यह विश्वविद्यालय जून के आरंभ में आयोजित की जाने वाली लिखित परीक्षा के माध्यम से प्रवेश देता है।

विषय एक संभावनाएं अनेक

गणित तथा इससे जुड़े प्रमुख करियर इस प्रकार हैं

गणितज्ञ

गणितज्ञों को गणित का अध्ययन अथवा अनुसंधान करना होता है। वे गणित के अनसुलझे रहस्यों को उजागर करने का प्रयास करते हैं।

शिक्षण

गणित के शिक्षकों की मांग कल भी थी, आज भी है और भविष्य में भी रहेगी। गणित पूरी स्कूली शिक्षा में एक मुख्य विषय होता है। यदि आपमें संख्याओं के प्रति गहरा आकर्षण है और विद्यार्थियों को पढ़ाने में आपकी रुचि है, तो आप शिक्षण के क्षेत्र में भी करियर बना सकते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करने वाले गणितज्ञों का अध्यापन तथा अनुसंधान में खास योगदान होता है।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर

भारतीय सॉफ्टवेयर इंजीनियरों की न केवल भारत में बल्कि विश्व भर में धूम मची हुई है। वैश्विक आईटी इंडस्ट्री भारतीय सॉफ्टवेयर इंजीनियरों को रोजगार देने के लिए बाहें फैलाए खड़ी है। सॉफ्टवेयर इंजीनियर सॉफ्टवेयर के प्रयोग तथा उनकी प्रणाली का सृजन, परीक्षण, विश्लेषण व मूल्यांकन करने के लिए कम्प्यूटर विज्ञान और गणितीय विश्लेषण के सिद्धांतों को कार्यान्वित करते हैं।

बैंकिंग

वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के चलते बैंक तेजी से अपनी शाखाएं बढ़ा रहे हैं, जिससे इस क्षेत्र में रोजगार के हजारों नए अवसर निर्मित हो रहे हैं। गणित में महारथ रखने वाले युवा बैंकिंग के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर सकते हैं।

चार्टर्ड अकाउंटेंट

उदारीकरण के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था के तीव्र विकास के चलते अकाउंट्स तथा फाइनेंस के क्षेत्र में करियर ने खूब लोकप्रियता अर्जित की है। इस क्षेत्र में चार्टर्ड अकाउंटेंट का एक अत्यधिक प्रतिष्ठित करियर विकल्प है। मैथ्स व कॉमर्स में रुचि रखने वाले युवा इस क्षेत्र में बढ़िया करियर बना सकते हैं।

कम्प्यूटर सिस्टम्स एनालिस्ट

कम्प्यूटर सिस्टम्स एनालिस्ट के लिए सॉफ्टवेयर, अनुसंधान, शिक्षा, सिक्यूरिटी, बैंकिंग, अर्थशास्त्र, इंजीनियरिंग, कम्प्यूटर विज्ञान, भौतिकी, तकनीकी शाखाओं आदि में रोजगार के ढेरों अवसर हैं। अधिकांश सिस्टम्स एनालिस्ट लागत-लाभ व निवेश पर मुनाफा का विश्लेषण तैयार करने के लिए विशिष्ट प्रकार की कम्प्यूटर प्रणालियों पर कार्य करते हैं और मैनेजरों को यह निर्णय लेने में सहायता करते हैं कि या प्रस्तावित टेक्नोलॉजी वित्तीय दृष्टि से कारगर होगी या नहीं।

चीन में 15 लाख लोग अरेस्ट, शी जिनपिंग की तीसरी बार ताजपोशी से पहले विरोध दबाने व्यापक बंदोबस्त

बीजिंग । चीन में वर्तमान राष्ट्रपति शी जिनपिंग सत्ता रूढ़ होने में हैट्रिक लगाने की तैयारी कर रहे है। तीसरी बार चीन के राष्ट्रपति पद की जिम्मेदारी संभालने के वे लिए तैयार हैं। बीजिंग की सड़कों पर भी इसकी तैयारी देखने को मिल रही है। किसी भी तरह के विरोध की आवाज को दबाने के लिए चप्पे-चप्पे पर जवानों की तैनाती की गई है। इसके अलावा 15 लाख से अधिक लोगों को गिरफ्तार या फिर नजरबंद किया गया है। अधिकारियों ने ऐसे किसी भी व्यक्ति को भी शहर में प्रवेश करने से रोक दिया है, जिसने एक कोरोना वायरस से संक्रमित इलाकों की यात्रा की है। साथ ही लोगों के पहचान पत्र की भी गहन जांच की जा रही है। एक मीडिया रिपोर्ट में चीनी अधिकारी के हवाले से कहा कि बीजिंग की सड़कों पर तब तक यह पाबंदी जारी रहेगी, जब तक कि ताजपोशी का कार्यक्रम खत्म नहीं हो जाता है। आपको बता दें कि चीन में हर पांच साल में राष्ट्रीय कांग्रेस की बैठक बुलाई जाती है। इस सम्मेलन में देश के अगले नेताओं का अभिषेक किया जाता है। अपने 10 वर्षों के शासन के दौरान शी जिनपिंग ने माओत्से तुंग के बाद चीन की सत्ता पर पकड़ मजबूत करने वाले दूसरे राजनेता बनकर उभरे हैं। उन्होंने बड़े पैमाने पर स्वतंत्र नागरिक समाज का सफाया कर दिया है। मानवाधिकार वकीलों को कैद कर लिया है। बीजिंग में सशस्त्र अधिकारी ग्रेट हॉल के चारों ओर सड़कों पर गश्त करते हैं। अगले रविवार को यहीं से जिनपिंग देश को संबोधित करेंगे। इन दिनों बीजिंग की सड़कों पर साइकिल सवारों को भी रोका जाता है और उनकी गहन जांच की जाती है। सार्वजनिक सुरक्षा मंत्रालय के एक अधिकारी ने पिछले महीने घोषणा की थी कि अधिकारियों ने जून के अंत तक देश भर में 15 लाख से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया है।

ईरान की जेल में आग लगने से मरने वालों की संख्या आठ हुई

तेहरान । ईरान की राजधानी तेहरान के एविन कारागार में आग लगने से मरने वाले कैदियों की संख्या बढ़कर आठ हो गई है। इस बीच सैटेलाइट तस्वीरों का विश्लेषण किया गया और इनके अनुसार, ईरान के एविन कारागार में सप्ताहांत में लगी आग में परिसर की सबसे बड़ी इमारतों में से एक क्षतिग्रस्त हो गई। मरने वाले सभी कैदियों को चोरी के मामले में गिरफ्तार किया गया था। इस घटना को '' कैदियों के बीच की लड़ाई बताया। हालांकि इस संबंध में कोई सबूत पेश नहीं किए। लोकल मीडिया ने मृतक संख्या बढ़ने की जानकारी देकर बताया कि छह कैदी अब भी अस्पताल में भर्ती हैं। तेहरान स्थित एविन कारागार में शनिवार शाम आग लग गई थी। आग की लपटें और धुएं का गुबार दूर से ही देखा जा सकता था। घटना के ऑनलाइन प्रसारित हुए वीडियो में गोली चलने और विस्फोटकों की आवाजें भी सुनी जा सकती हैं। इस बीच देशभर में महसा अमीनी नामक 22 वर्षीय एक युवती की पुलिस की हिरासत में मौत के बाद से पिछले पांच सप्ताह से विरोध प्रदर्शन जारी है। अमीनी को कथित रूप से सही तरीके से हिजाब नहीं पहनने के कारण नैतिकता के नाम पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने पकड़ा था और हिरासत में ही उसकी मौत हो गई थी।

श्रीलंकाई लेखक शेहान करुणातिलका ने जीता बुकर प्राइज

-उपन्यास 1990 के श्रीलंका के गृहयुद्ध की भयावहता पर केंद्रित

लंदन । आर्थिक संकट से जूझ रहे श्रीलंकाई लेखक शेहान करुणातिलका ने दुनिया के प्रतिष्ठित बुकर पुरस्कार को जीत कर वैश्विक साहित्यिक बिरादरी में अपना नाम दर्ज कर लिया है। मृत युद्ध फोटोग्राफर के बारे में उपन्यास 'द सेवन मून्स ऑफ माली अल्मेडा' लिखने के लिए शेहान करुणातिलका को बुकर पुरस्कार मिला है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस दौरान करुणातिलका को अंग्रेजी भाषा के साहित्यिक पुरस्कार के साथ ही क्वीन कंसोर्ट कैमिला से ट्रॉफी सहित 50,000 पाउंड का पुरस्कार भी मिला है। करुणातिलका की यह नोवेल श्रीलंका में 1990 के दौरान चल रहे देश के गृहयुद्ध में समलैंगिक युद्ध फोटोग्राफर और जुआरी माली अल्मेडा के बारे में बताती है। बुकर पुरस्कार के दावेदारों की इस वर्ष की शॉर्टलिस्ट में ब्रिटिश लेखक एलन गार्नर की ट्रेकल वॉकर, जिम्बाब्वे के लेखक नोवियोलेट बुलावायो की ग्लोरी, आयरिश लेखक क्लेयर कीगन की स्मॉल थिंग्स लाइक दिस, अमेरिकी लेखक पर्सीवल एवरेट की द ट्रीज़ भी थी। हालांकि करुणातिलका की किताब के बारे में जजों के अध्यक्ष नील मैकग्रेगर ने कहा, 'यह एक आध्यात्मिक थ्रिलर है, एक आफ्टरलाइफ नॉयर है जो न केवल विभिन्न शैलियों की, बल्कि जीवन और मृत्यु, शरीर और आत्मा, पूर्व और पश्चिम की सीमाओं को भंग कर देता है।' मैकग्रेगर ने कहा, 'यह एक पूरी तरह से गंभीर दार्शनिक रोम है जो पाठक को 'दुनिया के अंधेरे दिल' तक ले जाता है गृह युद्ध श्रीलंका की जानलेवा भयावहता है। और एक बार वहां, पाठक कोमलता और सुंदरता, प्यार और वफादारी, और एक आदर्श की खोज भी खोजता है जो हर मानव जीवन को न्यायसंगत बनाता है।' बुकर पुरस्कार के पिछले विजेताओं, जिन्हें पहली बार 1969 में सम्मानित किया गया था, में मार्गरेट एटवुड, सलमान रुश्दी और यान मार्टेल शामिल हैं।

युद्ध के बारे में फर्जी खबर फैलाने वाली रूसी पत्रकार 'नजरबंदी' से बचने देश छोड़कर भागी

मास्को। यूक्रेन-रूस जंग को लेकर युद्ध विरोधी पोस्टर लेकर लाइव शो में घुसने की आरोपी रूस की पूर्व सरकारी टीवी पत्रकार मरीना ओव्स्यानिकोवा नजरबंदी से बचने के बाद देश से फरार हो गई हैं। आरोपी बनाई गई ओव्स्यानिकोवा के वकील दिमित्री ज़ख्वाटोव ने बताया कि वर्तमान में वह सजा से बचने के लिए एक यूरोपीय देश में रह रही हैं। ओव्स्यानिकोवा फिलहाल रूस में सेना के खिलाफ फेक न्यूज़ फैलाने का आरोप झेल रही हैं जिसमें उन्हें 15 साल की कैद हो सकती है। ओव्स्यानिकोवा ने मार्च में दुनिया का ध्यान खींचा जब वह एक लाइव टीवी प्रसारण के दौरान स्टूडियो में घुस गई थी। वह हाथों में एक पोस्टर लिए घुसी थी जिसमें 'युद्ध बंद करो' और 'वे आपसे झूठ बोल रहे हैं' लिखा हुआ था। क्रेमलिन ने उनके इस विरोध को 'गुंडागर्दी' के रूप में वर्णित किया है जिसके बाद से उन्हें नजरबंद कर रखा गया था। हालांकि पुलिस के चंगुल से छूटते ही वह यूरोप भाग गईं। 44 वर्षीय ओव्स्यानिकोवा को जुलाई में एक विरोध प्रदर्शन के कारण अगस्त में दो महीने की नजरबंदी में रखा गया था। पत्रकार ने क्रेमलिन के सामने एक नदी तटबंध पर खड़े होकर नारे लगाने के साथ ही पुतिन को एक हत्यारा और उनके सैनिकों को फांसीवादी कहने वाला एक पोस्टर चस्पा किया था। आपको बता दें कि रूस में सेना के खिलाफ गलत खबर फैलाने को लेकर कड़ी सजा का प्रावधान किया गया है।

ह्यूस्टन के दिवाली उत्सव में 10 हजार लोगों ने लिया हिस्सा, भगवान राम की 35 फुट ऊंची प्रतिमा स्थापित

ह्यूस्टन । अमेरिका के ह्यूस्टन में दीवाली-दशहरा पर आयोजित भव्य उत्सव में भारत की संस्कृति, प्राचीन विरासत और मूल्यों को अद्वितीय अंदाज में पेश किया गया। टेक्सास में आयोजित उत्सव में इस बार रिकॉर्ड 10 हजार से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया, जिनमें विभिन्न क्षेत्रों और नस्लों के लोग शामिल रहे। 11वें ग्रैंड इंटरनेशनल दिवाली-दशहरा उत्सव का ग्रेटर ह्यूस्टन के उपनगरीय इलाके शुगर लैंड स्थित 'कांस्टेलेशन फील्ड' में आयोजन किया गया। इस उत्सव में अमेरिकी सांसद, न्यायाधीश, मेयर और आयुक्तों समेत कई पदाधिकारी शामिल हुए। एक गैर सरकारी संगठन श्री सीता राम फाउंडेशन (एसएसआरएफ) की ओर से आयोजित यह विशाल उत्सव वर्ष 2012 से मनाया जा रहा है, लेकिन बीते सालों में इसका आयोजन काफी भव्य हो गया है। फाउंडेशन ने भारतीय वैदिक संस्कृति और मूल्यों को साझा करने का नवोन्मेषी और अनोखा रास्ता खोज लिया है। पिछले साल दशहरा परेड में 15 देशों के महावाणिज्य दूतों को शामिल कर दिवाली के संदेश 'बुराई पर अच्छाई की विजय' पर जोर देने का प्रयास शुरू किया। इस साल टेक्सास प्रांत के गवर्नर ग्रेब एबॉट, ह्यूस्टन के मेयर सिल्वेस्टर टर्नर और कई देशों के महावाणिज्य दूत दशहरा परेड में शामिल हुए। आयोजन स्थल फुटबॉल स्टेडियम को सुंदर तरीके से सजाया गया और इसमें विभिन्न रंगों की रोशनी की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा यहां के 'फूड बाजार' में भारत के हर कोने के व्यंजन परोसे गए। इस दौरान लोक नृत्य और भारतीय मार्शल आर्ट का भी प्रदर्शन किया गया। विभिन्न किरदारों को प्रदर्शित करने वाले, रंग-बिरंगी पोशाक में सजे-धजे बच्चे भी मंच पर दिखे। बच्चों के लिए मूनवॉक, गुब्बारे, घुड़सवारी, फेस पेंटिंग आदि की व्यवस्था थी। यहां मंच के बगल में भगवान हनुमान की 24 फुट ऊंची प्रतिमा और भगवान राम की 35 फुट ऊंची प्रतिमा स्थापित की गई थी।

पेरिस में फ्रांसीसी छात्र लेसी मोटेजिनी हाई स्कूल के गेट के बाहर विरोध प्रदर्शन करते हुए।

युगांडा में इबोला का कहर, राष्ट्रपति मुसेवेनी ने दो जिलों में लगाया 21 दिनों का लॉकडाउन

कंपाला । अफ्रीका के युगांडा में इन दिनों इबोला कहर बरपा रहा है। इसके प्रसार को रोकने के लिए युगांडा के राष्ट्रपति योवेरी मुसेवेनी ने मध्य युगांडा के मुबेंडे और कसांडा जिलों में 21 दिनों का लॉकडाउन लगा दिया है। इस खतरनाक वायरस से अब तक 19 लोगों की जान जा चुकी है। वहीं इबोला का पहला केस 20 सितंबर को दर्ज किया गया था।

एक रिपोर्ट के अनुसार राष्ट्रपति योवेरी ने कहा था कि इस तरह के उपायों की कोई आवश्यकता नहीं है, लेकिन बढ़ते प्रकोप के देखते हुए उन्होंने अपने बयान से यू-टर्न लिया है और दो जिलों में 21 दिनों के लिए लॉकडाउन लगा दिया है। वहीं इबोला के नए प्रकोप ने 58 दर्ज मामलों में से 19 लोगों की जान ले ली है। हालांकि, मौतों और मामलों की वास्तविक संख्या अधिक हो सकती है।

इबोला का प्रकोप सितंबर में मुबेंडे में शुरू हुआ, जो राजधानी कंपाला से लगभग 80 किमी (50 मील) दूर है। फिलहाल मुबेंडे इसका केंद्र बना हुआ है। राष्ट्रपति मुसेवेनी ने पहले यह कहते हुए लॉकडाउन से इनकार कर दिया था कि इबोला एक एयर बॉर्न वायरस नहीं है। इसलिए इसमें कोविड-19 जैसे समान उपायों और बचाव की आवश्यकता नहीं है। शनिवार को उन्होंने 21 दिनों के लिए मुबेंडे और कसांडा जिलों के अंदर और बाहर सभी तरह की आवाजाही पर रोक लगा दी।

रूस के यूक्रेन पर हमले हुए तेज!

कीव में 8 लोगों की मौत, शहर की काटी गयी बिजली, ड्रोन से हो रही निगरानी

कीव (एजेंसी)।

पिछले आठ महीने से रूस लगातार यूक्रेन से युद्ध कर रहा है, जिसका असर पूरी दुनिया पर हो रहा हैं। रशिया एक तरफ लगातार यूक्रेन पर अपना हमला जारी रखे हुए है और लगातार परमाणु हमला करने की धमकी दे रहा हैं वहीं दूसरी तरफ यूक्रेन भी पीछे हटने को तैयार नहीं हैं। नाटो देश से लगातार यूक्रेन को हथियार भेजे जा रहे हैं। अब व्लादिमीर पुतिन ने परमाणु हमले की धमकी तो दी है लेकिन यूक्रेन की राजधानी कीव पर हमले भी तेज कर दिए हैं।

मॉस्को ने पूरे यूक्रेन में हमले तेज कर दिए, बिजली काट दी और राजधानी में कामिकेज़ ड्रोन हमलों सहित 8 लोगों की मौत हो गई, क्योंकि एक रूसी युद्धक विमान सीमा के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। रूसी अधिकारियों के अनुसार, विमान दक्षिण-पश्चिम रूस के एक कस्बे येस्क के एक रिहायशी इलाके से टकराया। अंतिम टोल 13 मृत और 19 घायल हो गए थे, आपातकालीन स्थितियों के मंत्रालय ने रूसी समाचार एजेंसियों के हवाले से कहा, दुर्घटना के बाद मंगलवार तड़के एक आवासीय क्षेत्र में भीषण आग लगने के बाद बचे लोगों की तलाश समाप्त हो गई।

यूक्रेन के प्रधान मंत्री डेनिस श्यामगल ने कहा कि रूस ने कीव में पांच हमले किए और सूमी और केंद्रीय निप्रॉपेट्रोस क्षेत्रों में ऊर्जा सुविधाओं के खिलाफ सैकड़ों कस्बों और गांवों में बिजली ठप कर दी।

यूक्रेन ने कहा कि कीव में चार लोग मारे गए, जिनमें एक विवाहित जोड़े को बच्चे की उम्मीद थी, और अन्य चार सूमी के पूर्वोत्तर क्षेत्र में थे। विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा ने तेहरान पर रूस पर ड्रोन उपलब्ध कराने का आरोप लगाते हुए ईरान पर यूरोपीय संघ के प्रतिबंधों की मांग की। एएफपी के एक पत्रकार ने सोमवार को मध्य कीव में ड्रोनों को नीचे आते देखा, क्योंकि पुलिस ने उन्हें स्वचालित हथियारों से नीचे गिराने की कोशिश की और शहर भर में विस्फोटों से धुआं उठ रहा था।

ब्रिटेन की प्रधानमंत्री लिज ट्रस ने अपनी गलतियों और नीति में बदलाव के लिए माफी मांगी

लंदन। (एजेंसी)।

पिछले का काफी समय से ब्रिटेन मंहगाई की मार झेल रहा हैं। ब्रिटेन की प्रधानमंत्री लिज ट्रस ने अपने नेतृत्व के पहले कुछ हफ्तों में हुई उथल-पुथल के लिए माफी मांगी हैं। इस दौरान ब्रिटिश राजनीति में बेहद नाटकीय तरीके से कुछ फैसले वापस लिए गए। इस दौरान ट्रस के नए वित्त मंत्री जेरेमी हंट ने उनके पूरे कर कटौती एजेंडे को पलट दिया। उन्होंने सोमवार को विवाद का विषय बनी हुई सभी कर कटौतियों को वापस लेने की घोषणा की। इस बारे में पहली बार ट्रस ने सोमवार रात स्वीकार किया कि गलतियां हुई थीं, लेकिन साथ ही उन्होंने जोर देकर कहा कि वह कहीं नहीं जा रही हैं और अगले आम चुनाव में कंजर्वेटिव पार्टी का नेतृत्व करेंगी। हाल के दिनों में अपनी पार्टी के भीतर विद्रोही आवाजें तेज होने के बीच उन्होंने कहा कि वह ब्रिटिश लोगों की भलाई के लिए अपने आर्थिक वृद्धि मिशन पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं। ट्रस ने कहा, मैं मानती हूं कि हमने गलतियां की हैं। मुझे उन गलतियों के लिए खेद है, लेकिन मैंने उन गलतियों को सुधार लिया है। उन्होंने आगे कहा, मैंने एक नया वित्त मंत्री नियुक्त किया है। हमने आर्थिक स्थिरता और राजकोषीय अनुशासन बहाल किया है। अब मैं जनता के लिए जो करना चाहती हूं, उस काम को आगे बढ़ाया जा रहा है। हम 2019 के घोषणापत्र पर चुने गए हैं, और मैं उसे आगे बढ़ना चाहती हूं और पूरा करना चाहती हूं। उन्होंने बीबीसी को बताया कि वह डटी हुई हैं , क्योंकि उन्हें देश के लिए काम करने के लिए चुना गया था। इससे पहले हंट ने सोमवार को कहा था कि ब्रिटेन की वित्तीय स्थिति में सुधार होने तक आयकर में एक पेंस की कटौती के फैसले को अनिश्चितकाल के लिए टाल दिया गया है। पूर्व वित्त मंत्री क्वारटेंग ने अपने मिनी बजट में इसे अप्रैल 2023 से लागू करने का ऐलान किया था। इसके अलावा सरकार की ऊर्जा मूल्य गारंटी केवल अप्रैल तक ही सार्वभौमिक होगी, जबकि मूल रूप से योजना दो साल के लिए थी।

रुस को ताकत दिखाने सबसे बड़े युद्धाभ्यास में जुटा नाटो, रुस भी दिखाएगा अपनी ताकत

ब्रसेल्स (एजेंसी)।

यूक्रेन-रूस युद्ध और पुतिन की परमाणु धमकियों के बीच नाटो अपने सबसे बड़े युद्धाभ्यास में जुटा गया है। स्टेड फास्ट नून के नाम से शुरू हुए वार्षिक परमाणु अभ्यास में चौदह सदस्य राज्य और 60 विमान हिस्सा ले रहे हैं। यह परमाणु ड्रिल रूस के वार्षिक ग्रोम अभ्यास से ठीक पहल हो रही है, जहां मास्को अपने परमाणु-सक्षम बमवर्षकों, पनडुब्बियों और मिसाइलों का परीक्षण कर नाटो को अपना दमखम दिखाने का प्रयास करेगा। दुनिया का काल समझे जाने वाले बी-52 बॉम्बर को भी ड्रिल का हिस्सा बनाया गया है। नाटो के अनुसार स्टीडफास्ट नून में यूएस एयर फोर्स के बी-52 स्ट्रैटोफोर्ट्रेस रणनीतिक बमवर्षक नॉर्थ डकोटा के मिनोट एयर बेस से दुश्मनों के दिलों को दहलाने के लिए लंबी उड़ान भरने वाले हैं। वहीं बेल्जियम के क्लेन ब्रोगेल एयर बेस से एडवांस एफ-16 विनाशकारी मिसाइल से लेस होकर ड्रिल का हिस्सा बना है। हिरोशिमा और नागासाकी पर परमाणु हमले के लिए भी इसी सीरीज के बॉम्बर बी-29 को इस्तेमाल किया गया था। इन परमाणु हमलों में करीब 3 लाख 50 हजार लोग मारे गए थे। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार दुनिया के सात देशों के पास कुल 12700 नुक्लियर वारहेड्स मौजूद हैं। इनमें से दो देशों अमेरिका और रूस 90 प्रतिशत से अधिक परमाणु बम अपने पास रखते हैं। अगर अमेरिका के साथ नाटो के सभी देशों को मिला लें, तब यह संख्या 5943 बनती है, जो पूरी दुनिया को कई बार तबाह करने के लिए पर्याप्त है। विश्लेषकों का कहना है कि नाटो न्यूक्लियर जंग की स्थिति में संभावित रूप से एक या अधिक तकनीकी या युद्धक्षेत्र परमाणु बम तैनात कर सकता है।

पाकिस्तान परमाणु बमों की हिफाजत में पूरी तरह सक्षम, शहबाज के विरोध के बाद बाइडन ने लिया यूटर्न

वॉशिंगटन (एजेंसी)।

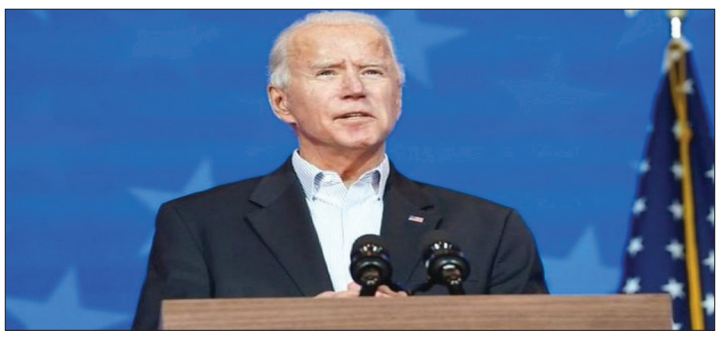

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने हाल ही में पाकिस्तान को परमाणु बमों की सुरक्षा के लिहाज से दुनिया का सबसे खतरनाक देश बताया था। उन्होंने इस बात पर चिंता जताई थी कि पाकिस्तान के परमाणु बम बिना किसी निगरानी के हैं और वे आतंकियों के हाथों में जा सकते हैं। राष्ट्रपति जो बाइडन के इस बयान ने पूरी दुनिया का ध्यान आकर्षित किया था। अब उन्होंने अपने इस बयान पर बड़ा यू-टर्न लेते हुए कहा है कि पाकिस्तान के परमाणु बम पूरी तरह से सुरक्षित हैं।

अमेरिकी विदेश विभाग ने बयान जारी किया है जो राष्ट्रपति के बयान के खंडन की तरह दिखता है। बयान में कहा गया है कि पाकिस्तान अमेरिका के हितों के लिए महत्वपूर्ण है। विदेश विभाग के प्रवक्ता वेदांत पटेल ने अपने बयान में कहा है कि सुरक्षित और समृद्ध पाकिस्तान हमेशा अमेरिका के हितों के लिए महत्वपूर्ण है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने आगे कहा अमेरिका पाकिस्तान की प्रतिबद्धता और अपनी परमाणु संपत्ति को सुरक्षित करने की उसकी क्षमता के प्रति आश्वस्त है। यह बयान ऐसे समय में आया है, जब जो बाइडेन की टिप्पणी पर पाकिस्तान ने कड़ा रुख प्रदर्शित किया था। पाकिस्तान में पक्ष विपक्ष समेत आम जनता ने बाइडन के बयान पर ऐतराज जताया था।

पाकिस्तान ने अमेरिकी राजदूत को तलब कर इस पर अपनी आपत्ति दर्ज कराई थी। इसके बाद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने बयान देकर बाइडन की टिप्पणी को तथ्यात्मक रूप से गलत और भ्रामक बताया था। शहबाज शरीफ ने ट्वीट किया मैं स्पष्ट रूप से दोहराता हूं, पाकिस्तान एक जिम्मेदार परमाणु देश है और हमें इस बात पर गर्व है कि इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी (आईएईए) की आवश्यक्ताओं के अनुसार हमारे परमाणु हथियारों के पास सबसे अच्छे सुरक्षा उपाय हैं। उन्होंने लिखा हम इन सुरक्षा उपायों को अत्यंत गंभीरता से लेते हैं। किसी को इस पर संदेह नहीं होना चाहिए।

महिलाओं को गरीबी के चंगुल से निकालने में मददगार साबित हो रही साधारण प्रौद्योगिकी

वॉशिंगटन (एजेंसी)।

वैश्विक स्तर पर गरीबी से लड़ने के लिए एक औपचारिक पहचान और एक मोबाइल फोन, ये दो ऐसे हथियार हैं जो बेहद महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं। पुरुषों की तुलना में गरीब महिलाओं की संख्या अधिक है, अधिक महिलाएं खाद्य असुरक्षा की जद में हैं और दुनिया के अधिकांश देशों में पुरुषों की तुलना में अधिक महिलाएं अवैतनिक पारिवारिक कार्य करती हैं। यही कारण है कि संयुक्त राष्ट्र के पूर्व महासचिव कोफी अन्नान जैसे कई विद्वानों और वैश्विक नेताओं का तर्क है कि महिलाओं को सशक्त बनाना मानवता को बेहतर बनाने का सबसे प्रभावी तरीका है।

कई महिलाओं के लिए सशक्तिकरण की शुरुआत पहचान से होती है ताकि सेवाओं तक उनकी पहुंच सुनिश्चित हो सके और वे अपने अधिकारों का प्रयोग कर पाएं। वर्ष 2019 में, विश्व बैंक ने अनुमान लगाया था कि कम आय वाली अर्थव्यवस्थाओं में हर दो महिलाओं में से एक के पास राष्ट्रीय पहचान पत्र या ऐसा ही कोई अन्य दस्तोवज नहीं था। महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्राथमिक कदम के तहत विश्व बैंक ने महिलाओं के लिए डिजिटल पहचान प्रणाली विकसित करने के लिए 40 से अधिक देशों के साथ काम किया है।

उदाहरण के लिए, पाकिस्तान में लाखों महिलाओं के पास अब एक कम्प्यूटरीकृत राष्ट्रीय पहचान पत्र (सीएनआईसी) है, जो उन्हें अपने पति या भाइयों के बजाय सरकारी सहायता कार्यक्रमों तक पहुंच सुनिश्चित करने में मददगार है। एक औपचारिक पहचान के जरिये महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए मौजूदा तथा उभरती प्रौद्योगिकियां आसानी से उपलब्ध हो पाती हैं। मोबाइल फोन सभी जगह उपलब्ध हैं और वे आर्थिक तौर से सहायक प्रौद्योगिकियों तक लोगों की पहुंच सुनिश्चित कर सकते हैं।

2020 में उप-सहारा अफ्रीका में 45.6 करोड़ ग्राहकों में से 23.9 करोड़ उपयोगकर्ताओं के पास मोबाइल इंटरनेट उपलब्ध है जबकि 18 करोड़ लोगों के पास स्मार्टफोन है। व्यापक रूप से मोबाइल फोन की उपलब्धता ने केन्या में सफारीकॉम के 'एम-पेसा' और 'एम-केशो' जैसी मोबाइल वित्तीय सेवाओं के साथ-साथ चीन में ऐंट वित्तीय सेवाओं को विकसित करने के लिए कंपनियों को आकर्षित किया। ये सेवाएं न केवल सुरक्षित और सुविधाजनक हैं, बल्कि ये ऐसी महिलाओं को बचत और ऋण जैसी वित्तीय सेवाओं तक पहुंच प्राप्त करने में भी सक्षम बनाती हैं, जिनके पास बैंक खाता नहीं है। वित्तीय सेवाओं तक पहुंच के अलावा मोबाइल ऐप गरीब महिलाओं को नौकरी खोजने में भी मदद कर सकते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

लखनऊ के सहकारी बैंक में जालसाजी से साइबर अपराधियों ने उड़ाए 150 करोड़ रुपए

लखनऊ। आॅनलाइन प्रणाली ने जहां बैंकों के कामकाज को सुलभ बनाया वहीं साइबर अपराधियों के लिए जालसाजी के भी रास्ते खोल दिए हैं। ताजा मामला उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ का है जहां साइबर क्राइम की सनसनीखेज वारदात हुई है। हजरतगंज डीएम आवास के पास स्थित सहकारी बैंक के खाते से जालसाजों ने करीब 150 करोड़ रुपये उड़ा दिए। साइबर फ्रॉड की सूचना मिलने पर बैंक ने पुलिस से संपर्क किया, जिसके बाद एसटीएफ थाने में मामला दर्ज कर जांच की जा रही है। बैंक अधिकारियों ने मामले की जानकारी साइबर क्राइम मुख्यालय को दी। पुलिस ने एक कर्मचारी को हिरासत में लिया है, जिससे पूछताछ की जा रही है। कई खाते में पैसा ट्रांसफर किया गया, जिसके बारे में बैंक को जानकारी मिली तो कई खातों को फ्रिज किया गया है। फिलहाल पूरे मामले की जांच एसटीएफ कर रही है। जानकारी के मुताबिक, सहकारी बैंक में सोमवार दोपहर 2:00 बजे अचानक बैंक से पैसा अन्य खातों और फर्मों में जाने लगा। जैसे ही पैसा ट्रांसफर होने लगा तो कर्मचारियों ने इसकी सूचना मैनेजर को दी। मैनेजर ने पुलिस को तत्काल बुलाया। इसके बाद पुलिस ने उन सभी बैंक खातों को फ्रीज करवा दिया, जिसमें पैसे गए थे। पुलिस के मुताबिक, सहकारी बैंक में मेगा सॉफ्टवेयर से ईजी सॉफ्टवेयर बना हुआ है, जिसमें यूजर आईडी बनाई गई है। सभी कर्मचारियों के पास इसका एक्सेस नहीं है। एडमिन एक्सेस सिर्फ बैंक के प्रबंधक और कैशियर के पास है। पुलिस को शक एक पूर्व कर्मचारी के ऊपर है, जो बैंक में आते हुए दिखा, जिसका सीसीटीवी सामने आया है। लेकिन पुलिस इस मामले की जाने की कोशिश कर रही कि यूजर आईडी-पासवर्ड प्रबंधक और कैशियर के पास रहते हुए भी कैसे उसको हैक किया गया और उसके बाद कैसे पैसा दूसरी फर्मों के नाम ट्रांसफर किया गया?

बिलकिस बानो गैंगरेप: 11 दोषियों को माफी मामले में 29 नवंबर को सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। गुजरात के बिलकिस बानो गैंगरेप मामले में 11 दोषियों की रिहाई को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। बिलकिस बानो केस के दोषियों की रिहाई के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि गुजरात सरकार ने भारी भरकम हलफनामा दिया है, इस हमने आज सुबह अखबारों में पढ़ा। वहीं, एसजी तुषार मेहता ने दलील दी कि अजनबी आपराधिक मामलों में अदालत नहीं जा सकते। याचिकाकर्ताओं की ओर से कपिल सिब्बल ने कहा कि गुजरात सरकार ने भारी-भरकम हलफनामा दाखिल किया है, जिस पर हम जवाब देने को तैयार हैं, मगर हमें इसकी स्टडी के लिए थोड़ा समय चाहिए। वहीं, गुजरात सरकार की ओर से पेश हुए एसजी तुषार मेहता ने कहा कि

अजनबी आपराधिक मामलों में अदालत नहीं जा सकते। उन्होंने कहा कि याचिकाकर्ताओं का मामले से कोई लेना-देना नहीं है और यह तर्क सभी याचिकाकर्ताओं पर लागू होता है। याचिकाकर्ताओं को गुजरात सरकार द्वारा दायर हलफनामे पर अपना जवाब दाखिल करने के लिए समय दिया गया है। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि केंद्र ने भारी हलफनामा दाखिल किया है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस अजय रस्तोगी ने कहा कि रात को भारी भरकम हलफनामा दिया है। हमने सुबह अखबारों में पढ़ा। उन्होंने गुजरात सरकार से सवाल किया कि जवाब में इतने फैसलों का हवाला क्यों दिया गया है, तथ्यात्मक पहलू कहां हैं और विवेक का प्रयोग कहां किया गया है? सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि वह 2002 के बिलकिस बानो सामूहिक दुष्कर्म मामले में 11 दोषियों को माफी देने के फैसले के खिलाफ दायर याचिका पर 29 नवंबर को सुनवाई करेगा। दरअसल, मामले के 11 दोषियों को इस साल 15 अगस्त को रिहा कर दिया गया था। बिलकिस बानो केस के दोषियों की रिहाई पर गुजरात सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल हलफनामे में कहा कि समय से पहले उनकी रिहाई एकदम सही है। गुजरात सरकार ने 'समय से पहले रिहाई से जुड़े पूरे नियमों का पालन करते हुए उन्हें रिहा किया है। गौरतलब है कि गोधरा ट्रेन अग्निकांड के बाद हुए दंगों के दौरान 21 वर्षीय बिल्कीस बानो के साथ सामूहिक दुष्कर्म कर उसकी तीन साल की बेटी समेत परिवार के सात सदस्यों की हत्या कर दी गयी थी। घटना के वक्त बानो पांच महीने की गर्भवती थी।

पंजाब में पराली जलाने की घटनाओं में हुई बढ़ोतरी, हरियाणा में जानलेवा हुई हवा

नई दिल्ली। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के ताजा आंकड़ों से पता चला है कि पंजाब में पराली जलाने की घटनाओं में बढ़ोतरी हुई है। कृषि प्रधान राज्य ने पराली जलाने की 403 घटनाओं की सूचना दी है। सितंबर के अंत और अक्टूबर में दो बार लंबे समय तक बारिश से पंजाब और हरियाणा में इस बार देरी से धान की कटाई शुरू हुई। फिलहाल अब दोनों राज्यों में पराली जलाने की घटनाओं में बढ़ोतरी की सूचना मिल रही है। क्योंकि किसान अपने खेतों को अगली फसल की बुवाई के लिए तैयार करने के लिए जोर-शोर से जुट गए हैं।

वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने कहा कि इस साल अब तक दिल्ली और उसके आसपास के राज्यों में पराली जलाने की कुल 1,695 घटनाएं हुई हैं। जिसमें केवल पंजाब में ही 1,444 घटनाएं सामने आईं हैं। इसके बावजूद पंजाब के प्रमुख शहरों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) मध्यम और संतोषजनक श्रेणी में रहा, जबकि हरियाणा के आधा दर्जन शहरों में यह खराब श्रेणी में पहुंच गया है। हरियाणा के मानेसर में 291 के एक्यूआई के साथ खराब श्रेणी की हवा दर्ज की गई। इसके बाद फरीदाबाद (286), बहादुरगढ़ (244), गुरुग्राम (232), जींद (228), फतेहाबाद (210), और कुरुक्षेत्र (204) का स्थान रहा। जबकि चंडीगढ़ में राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के 237 की तुलना में एक्यूआई 134 दर्ज किया गया। जो मध्यम स्तर का है। गौरतलब है कि शून्य से 50 के बीच एक्यूआई को 'अच्छा, 51 और 100 को 'संतोषजनक, 101 और 200 को मध्यम', 201 और 300 को खराब', 301 और 400 को बहुत खराब' और 401 और 500 को 'गंभीर माना जाता है। खराब श्रेणी की हवा में रहने वाले ज्यादातर लोगों को कुछ समय के बाद सांस लेने में तकलीफ होती है। जबकि मध्यम एक्यूआई से फेफड़े, अस्थमा और दिल के मरीजों को सांस लेने में तकलीफ होती है।

कश्मीरी पंडित भट की लक्षित हत्या के विरोध में श्रीनगर में हुर्रियत कार्यालय के बाहर धरना-प्रदर्शन

जम्मू। कश्मीर घाटी में आतंकियों की टारगेट हमलों को लेकर बढ़ती घटनाएं चिंता का सबब बनती जा रही हैं। कश्मीरी पंडित किसान पूरन कृष्ण भट की पिछले सप्ताह आतंकवादियों द्वारा की गई लक्षित हत्या के विरोध में सामाजिक कार्यकर्ताओं सहित लोगों के एक समूह ने सोमवार को यहां हुर्रियत कॉन्फ्रेंस कार्यालय के बाहर धरना दिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। हुर्रियत ने इस विरोध प्रदर्शन को पुलिस के साथ प्रायोजित गुंडों द्वारा गुंडागर्दी करार दिया है। अधिकारियों के मुताबिक प्रदर्शनकारी यहां राजबाग में मीरवाइज उमर फारूक नीत हुर्रियत के कार्यालय के बाहर जमा हुए और विरोध प्रदर्शन किया।

उन्होंने कश्मीर घाटी में हुए रक्तपात के लिए हुर्रियत को जिम्मेदार ठहराया। अधिकारियों ने कहा कि प्रदर्शनकारियों ने हुर्रियत के केंद्रीय भवन के मुख्य द्वार पर इंडिया लिख दिया और अलगाववादी संगठन के नामपट्ट को नीचे गिरा दिया। हुर्रियत के कार्यालय के द्वार बंद थे। अधिकारियों ने बताया कि प्रदर्शनकारियों में सामाजिक कार्यकर्ता, नगर निगम पार्षद और कश्मीरी पंडित शामिल थे। आतंकवादियों ने दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले में स्थित चौधरी गुंड इलाके में पूरन कृष्ण भट नाम के व्यक्ति की शनिवार को गोली मार कर हत्या कर दी।

उनके पैतृक घर के बाहर उन पर यह हमला किया गया था। पूरन कृष्ण भट का रविवार को अंतिम संस्कार किया गया था। हत्या के विरोध में रविवार शाम को घाटी में कैंडल मार्च निकाला गया। अलगाववादी संगठन हुर्रियत ने एक बयान में कहा, 'यह कश्मीरी पंडितों के जीवन की रक्षा करने में अधिकारियों की विफलता से ध्यान हटाने की एक तुच्छ सी कोशिश है। यह शर्मनाक है कि हुर्रियत के खिलाफ दुष्प्रचार को बढ़ावा देने के लिए दुर्भाग्यपूर्ण हत्या का फायदा उठाया जा रहा है, जिसके कार्यकर्ता और नेता या तो जेल में हैं या घर में नजरबंद हैं।' बयान में कहा कि सैद्धांतिक रूप से हुर्रियत ने हमेशा सभी तरह की हत्याओं की निंदा की है और अपनी स्थापना के बाद से ही कश्मीरी पंडितों की घाटी में सम्मान और सुरक्षा के साथ वापसी की वकालत की है।

राजनाथ सिंह बोले- हमारे देश में प्रतिभा की कोई कमी नहीं, जरूरत उन्हें पहचानने और निखारने की है

लखनऊ (एजेंसी)।

गांधीनगर में 'मंथन' समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि गुजरात से लेकर असम और कश्मीर से कन्याकुमारी तक हमारे देश में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। इसके साथ ही रक्षा मंत्री ने कहा कि उन्हें पहचानने, परिष्कृत करने और राष्ट्र की प्रगति से जोड़ने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हम सभी अवगत हैं, भारत आज दुनिया का सबसे युवा देश है। केवल जनसांख्यिकीय दृष्टि से ही नहीं, बल्कि अपने मन से भी। इसकी सोच नई है। इसके लक्ष्य नए हैं। ऐसे में नए उद्देश्यों की ओर ले जाने वाली राहें भी नई हों, यह समय की सबसे महत्वपूर्ण मांग थी।

रक्षा मंत्री ने आगे कहा कि देश के सम्मिलित प्रयासों के चलते भारतीय रक्षा क्षेत्र, आने वाले समय में दुनिया भर में अग्रणी होगा, ऐसा मेरा विश्वास है। आप लोगों के प्रयासों को देखते हुए मेरा यह विश्वास और भी मजबूत हो जाता है। हमें बस पूरे लगन, और समर्पण के साथ आगे बढ़ना है। उन्होंने कहा कि आप लोगों को जानकर अच्छा लगेगा, कि iDEX, अभूतपूर्व गति से अपना विस्तार कर रहा है। यह Tier II, और Tier III शहरों में अपनी श्नह्नद्गह्यद्गठ्ठष्द्ग बढ़ा रहा है, साथ ही यह देश के विभिन्न हिस्सों में फैले इन्क्यूबेटरों को भी अपने साथ जोड़ने की कोशिश कर रहा है।

राजनाथ ने दावा किया कि पिछले 7-8 सालों में देश की मानसिकता में एक बड़ा परिवर्तन हुआ है। आज राष्ट्र, साधन से अधिक, साध्य पर ध्यान दे रहा है। समस्या से अधिक, समाधान पर ध्यान दे रहा है। जब मंजिल पर हमारा ध्यान होता है, लक्ष्य पर हमारा ध्यान होता है, तो माध्यम अपने आप निकलने लगते हैं। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे हमारा देश आगे बढ़ रहा है, लगातार आर्थिक प्रगति कर रहा है, इस बात की आवश्यकता भी बढ़ रही है, कि हमारी security भी और अधिक मज़बूत हो, आत्मनिर्भर हो।

घातक एके-203 राइफलों से लैस होगी सेना, 2022 के अंत तक यूपी में शुरू हो जाएगा उत्पादन

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

भारत-रूस संयुक्त उपक्रम के रूप में उत्तर प्रदेश स्थित विनिर्माण केंद्र में एके-203 असॉल्ट राइफल का उत्पादन 2022 के अंत तक शुरू होने की संभावना है। रूस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। उत्तर प्रदेश में अमेठी जिले के कोरवा आयुध कारखाने में रूसी मूल की कलाश्निकोव असॉल्ट राइफल के निर्माण के लिए भारत-रूस राइफल्स प्राइवेट लिमिटेड की स्थापना 2019 में की गई थी। रूस की सरकारी रक्षा इकाई रोसोबोरोनएक्सपोर्ट के महानिदेशक अलेक्सांद्र मिखेव ने कहा कि कोरवा आयुध कारखाना 2022 के अंत तक कलाश्निकोव एके-203 असॉल्ट राइफल का निर्माण शुरू करने के लिए तैयार है। मिखेव ने कहा कि हमारी योजनाओं में प्रसिद्ध रूसी असॉल्ट राइफल के निर्माण का भारत में शत प्रतिशत स्थानीयकरण करना शामिल है। उन्होंने कहा कि इसके अलाव संयुक्त उपक्रम भविष्य में निर्माण क में बढ़ोतरी कर सकता है। कलाश्निकोव असॉल्ट राइफ प्लेटफॉर्म पर आधारित उन्नत राइफ के निर्माण के लिए सुविधाओं आधुनिकीकरण कर सकता है। से को आत्म निर्भर बनाने के लिए मे इन इंडिया प्रोग्राम के तहत देश में व हथियारों के निर्माण का काम शु किया गया है। जिसमें एके-20 असॉल्ट राइफल भी शामिल इसके लिए 2019 में पहल की थी। रूस के सहयोग से बनाकर घातक राइफलों को जल्द ही सेना शामिल करने की पूरी तैयारी भारतीय सेना लंबे समय से इंसा राइफलों को उपयोग करती आ रही जल्द ही जवानों को अत्याधुनि एके-203 राइफलें मिलेंगी। जो पुरा हो चुकी इंसास मॉडल की राइफ की तुलना में ज्यादा हल्की अ घातक क्षमता से लैस होंगी।

'हिंदी थोपने' को लेकर हंगामा तेज!

एमके स्टालिन ने विधानसभा में पेश किया प्रस्ताव, बीजेपी विधायकों ने किया वॉकआउट

चेन्नई (एजेंसी)।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने राज्य विधानसभा में हिंदी थोपने के खिलाफ एक प्रस्ताव पेश किया। सीएम स्टालिन ने इस दौरान कहा कि यह सदन सरकार से आग्रह करता है कि वह अपने अध्यक्ष द्वारा राष्ट्रपति को सौंपी गई राजभाषा पर संसदीय समिति की रिपोर्ट में की गई सिफारिशों को लागू न करे, जो तमिल सहित राज्य की भाषाओं के खिलाफ हैं और उन भाषाओं को बोलने वाले लोगों के हित के खिलाफ भी हैं। तमिलनाडु विधानसभा में हिंदी थोपने

के खिलाफ प्रस्ताव पारित होने के बाद राज्य के भाजपा विधायकों ने विधानसभा से वॉकआउट कर लिया।

तमिलनाडु सरकार ने मंगलवार को विधानसभा में पूर्व मुख्यमंत्री जे जयललिता की मौत और राज्य के थूथुकुडी में 2018 की पुलिस गोलीबारी के आसपास की परिस्थितियों को देखने वाले अलग-अलग जांच आयोगों की रिपोर्ट पेश की। 2016 में जयललिता की मौत की परिस्थितियों की जांच करने वाले जस्टिस ए अरुमुघस्वामी आयोग ने अपनी समापन टिप्पणी में कहा कि दिवंगत मुख्यमंत्री की विश्वासपात्र वी के शशिकला को ÷गलती ढूंढनी होगी और जांच का आदेश दिया जाना है।÷ पैनल ने शशिकला के साथ अन्य का भी नाम लिया है।

बीएसएफ जवानों ने पंजाब की सीमा पर पाकिस्तानी ड्रोन को मार गिराया

अमृतसर। पंजाब के अमृतसर में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास एक पाकिस्तानी ड्रोन को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने मार गिराया। एक अधिकारी ने बताया कि संदेह है कि ड्रोन मादक पदार्थ ले जा रहा था। बीएसएफ के प्रवक्ता ने बताया कि घटना सोमवार रात करीब साढ़े आठ बजे जिले के छानना गांव में हुई। पंजाब में पिछले चार दिन में ऐसी यह तीसरी घटना है। प्रवक्ता ने कहा सीमा पर तैनात 183वीं बटालियन की जवानों ने अमृतसर जिले के छानना गांव के पास स्थित क्षेत्र में पाकिस्तान से भारतीय क्षेत्र में प्रवेश करने वाली संदिग्ध उड़ने वाली वस्तु/ड्रोन की आवाज सुनी। सैनिकों ने गोलीबारी कर उस उड़ती हुई वस्तु को रोकने की कोशिश की। गोली ड्रोन को लग गई और वह जमीन पर गिर गया। उन्होंने बताया कि बाद में तलाशी में घटनास्थल से करीब 2.5 किलोग्राम संदिग्ध मादक पदार्थ ले जा रहा एक 'क्वाड कॉप्टर' बरामद किया गया। इसी तरह पंजाब में मादक पदार्थ ले जाने वाला एक मानव रहित विमान (यूएवी) 16 अक्टूबर को भी गिराया गया था। वहीं 13-14 अक्टूबर की दरम्यानी रात को बीएसएफ ने पंजाब के गुरदासपुर सेक्टर में एक और 'क्वाड कॉप्टर' को मार गिराया था।

दिल्ली को अगले दो महीने में 100 इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन मिलेंगे: मुख्यमंत्री केजरीवाल

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को कहा कि राष्ट्रीय राजधानी को अगले दो महीने में 100 इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन मिलेंगे। केजरीवाल ने मंगलवार को ऐसे 11 चार्जिंग स्टेशन का उद्घाटन किया और कहा कि इन चार्जिंग स्टेशनों पर बैटरी बदलने की सुविधा भी उपलब्ध होगी। उन्होंने कहा, ''इससे पहले बैटरी बदलने के केंद्र और चार्जिंग स्टेशन अलग-अलग होते थे। लेकिन अब ये सुविधा एक ही जगह उपलब्ध होगी। इन 11 स्टेशनों पर चार्जिंग के 73 प्वाइंट हैं। अगले दो महीने में दिल्ली को ऐसे 100 चार्जिंग स्टेशन मिलेंगे।''

महत्वाकांक्षी दिल्ली इलेक्ट्रिक वाहन नीति को अगस्त 2020 में लाया गया था। इसका लक्ष्य 2024 तक कुल बिक्री में इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी में 25 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी करना है। दिल्ली संवाद एवं विकास आयोग के उपाध्यक्ष जैसमीन शाह को कारण बताओ नोटिस जारी किए जाने के बारे में पूछे जाने पर केजरीवाल ने कहा, ''कैबिनेट ने उनकी नियुक्ति की है और सिर्फ कैबिनेट ही उनसे सवाल पूछ सकता है।''

सूत्रों ने बताया कि दिल्ली सरकार के योजना विभाग ने शाह को आम आदमी पार्टी (आप) के ''आधिकारिक प्रवक्ता'' के तौर पर काम करते हुए ''सरकारी पद का दुरुपयोग'' करने के आरोप में सोमवार को कारण बताओ नोटिस जारी किया। भाजपा नेता एवं पश्चिमी दिल्ली के सांसद परवेश वर्मा की शिकायत के बाद यह कार्रवाई की गई। आप ने इस नोटिस को ''गुजरात में पार्टी के बढ़ते ग्राफ के चलते दिल्ली सरकार पर इसे एक और हमला करार दिया है।

गुजरात में बोली मनीष सिसोदिया, सीबीआई-ईडी का दुरुपयोग करके भाजपा मुझे यहां आने से रोकना चाहती है

अंधेरी पूर्व विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए

अहमदाबाद (एजेंसी)।

दिल्ली में कथित तौर पर शराब घोटाले को लेकर उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया से सोमवार को सीबीआई ने 9 घंटे तक पूछताछ की। इसके बाद मनीष सिसोदिया जबरदस्त तरीके से भाजपा पर हमलावर है। आज मनीष सिसोदिया गुजरात दौरे पर पहुंचे हैं। गुजरात में उन्होंने साफ तौर पर कहा कि भाजपा सीबीआई और ईडी का दुरुपयोग करके उन्हें गुजरात जाने से रोकना चाहती है। इसके साथ ही सिसोदिया ने दावा किया कि गुजरात के लोग मन बना चुके हैं और यहां परिवर्तन होकर रहेगा। सिसोदिया ने कहा कि गुजरात के लोगों में उम्मीद जागी है कि दिल्ली के स्कूल अच्छे हो सकते हैं तो गुजरात के भी हो सकते हैं।

सिसोदिया ने आगे कहा कि गुजरात में लोग कह रहे हैं, जिस तरह से दिल्ली में स्कूल ठीक हुए, गुजरात में भी होने की आवश्यकता है। उन्होंने आगे कहा कि कल सीबीआई मुख्यालय पहुँचा तो मुझसे कहा गया कि किस चक्कर में पड़े हो, स्नद्बक्र तो लंबी चलेगी। आप 'आप' छोड़ दो। मैं तो जेल जाने को तैयार हूं। उन्होंने कहा कि अब गुजरात के लोगों ने ठान लिया है कि वो शानदार स्कूल बनवा कर रहेंगे। वो ऐसी पार्टी को चुनेंगे जो स्कूल बनाती है। वहीं, भाजपा के कपील मिश्रा ने कहा कि मैं मनीष सिसोदिया (दिल्ली उपमुख्यमंत्री) को आज खुली चुनौती देता हूं कि आपने जो कल CBI के बारे में बयान दिया था उस पर माफी मांगे और अपना बयान वापस ले वरना आज आप शाम 5 बजे तक देश के सामने कहें कि आप लाई डिटेक्टर टेस्ट और नार्को टेस्ट के लिए तैयार हैं।

सिसोदिया ने दावा किया था कि सीबीआई ने उन पर आम आदमी पार्टी (आप) छोड़ने का दबाव बनाया गया था और दिल्ली के मुख्यमंत्री पद की पेशकश की गयी थी। उपमुख्यमंत्री ने कहा था कि आप छोड़ने के लिए मुझ पर दबाव डाला गया। मुझे दिल्ली का मुख्यमंत्री पद पाने या जेल की सजा काटने की पेशकश की गयी। वहीं, एजेंसी ने एक बयान में कहा कि सीबीआई ऐसे आरोपों का कड़ा प्रतिवाद करती है और दोहराती है कि सिसोदिया से पूछताछ प्राथमिकी में उनके खिलाफ लगे आरोपों के अनुसार ही पेशेवर तथा कानूनी तरीके से की गयी। मामले की जांच कानून के अनुसार जारी रहेगी।

देश के लोग कॉलेजियम प्रणाली से खुश नहीं, न्यायाधीशों की नियुक्ति सरकार का काम: रीजीजू

अहमदाबाद। केंद्रीय विधि और न्याय मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि देश के लोग कॉलेजियम प्रणाली से खुश नहीं हैं और संविधान की भावना के मुताबिक न्यायाधीशों की नियुक्ति करना सरकार का काम है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का 'मुखपत्र' माने जाने वाले ''पांचजन्य'' की ओर से सोमवार को यहां आयोजित ''साबरमती संवाद'' में रीजीजू ने कहा कि उन्होंने देखा है कि आधे समय न्यायाधीश नियुक्तियों को तय करने में ''व्यस्त'' होते हैं, जिसके कारण न्याय देने का उनका प्राथमिक काम ''प्रभावित'' होता है। मंत्री की यह टिप्पणी पिछले महीने उदयपुर में एक सम्मेलन में उनके बयान के बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि उच्चतम न्यायालय में नियुक्ति की कॉलेजियम प्रणाली पर पुनर्विचार करने की आवश्यकता है। न्यायाधीशों की नियुक्ति की प्रक्रिया पर एक सवाल के जवाब में रीजीजू ने कहा, ''1993 तक भारत में प्रत्येक न्यायाधीश को भारत के प्रधान न्यायाधीश के परामर्श से कानून मंत्रालय द्वारा नियुक्त किया जाता था। उस समय हमारे पास बहुत प्रख्यात न्यायाधीश थे।'' उन्होंने कहा, ''संविधान इसके बारे में स्पष्ट है। संविधान कहता है कि भारत के राष्ट्रपति न्यायाधीशों की नियुक्ति करेंगे, इसका मतलब है कि कानून मंत्रालय भारत के प्रधान न्यायाधीश के परामर्श से न्यायाधीशों की नियुक्ति करेगा।''

दिवाली से पहले रूप बदलकर आया ओमिक्रोन वायरस का नया वैरिएंट बीक्यू.1

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कोरोना वायरस का असर अब कम होने लगा है। कई देशों में अब इससे जुड़ी जांचें बंद करने की बातें की जाने लगी हैं, लेकिन हाल ही में आई एक खबर ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। कई देशों में कोरोना के मामले एक बार फिर बढ़ते दिखाई दे रहे हैं। ऐसा कोरोना के एक नए वैरिएंट की वजह से हो रहा है। कोरोना के ओमीक्रोन वेरिएंट के कुछ सब वेरिएंट पाए गए हैं, जो खतरनाक ढ़ंग से लोगों में प्रसार कर रहे हैं। चिंता की बात यह है कि इनमें से एक सब वैरिएंट की भारत में भी एंट्री हो चुकी है।

दीवाली से पहले इस वेरिएंट के आने से ऐसी आशंका व्यक्त की जा रही है कि कोरोना की एक नई लहर देखने को मिल सकती है। सोमवार को पुणे में ओमीक्रोन वेरिएंट के सब वेरिएंट बीक्यू.1 का मामला सामने आया है। इससे पहले गुजरात में बीएफ.7 वेरिएंट मिला था। वैज्ञानिकों का कहना है कि बीक्यू.1 और बीएफ.7 दोनों में म्यूटेशन होता है जो शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को कम कर सकता है। बीए.5 भारत में कोविड के 5 फीसदी से कम मामलों के लिए वहीं ओमिक्रोन के अन्य वेरिएंट बीए.2 और इसके सब वेरिएंट से बीए.2.75 की वजह से कोरोना के मामले कहीं अधिक बढ़े।

बीक्यू.1 वेरिएंट के मामले पहले ही यूके, जर्मनी और यूएस सहित कुछ देशों में आने लगे हैं। यूएस सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) के अनुसार कोरोना के मामलों में बीक्यू.1 और बीक्यू.1.1 वेरिएंट के 11 फीसदी केस थे। जबकि एक महीने पहले ही ऐसे मामलों की संख्या केवल 1 प्रतिशत थी। बीक्यू.1 और बीक्यू.1.1 दोनों बीए.5 ओमीक्रोन के ही सब वेरिएंट हैं। अमेरिका में बढ़ते मामलों के पीछे यही सब वेरिएंट कारण है। वैज्ञानिकों ने बताया कि भारत के पुणे के नमूने में बीक्यू.1 का पता अक्टूबर में जीनोम सिक्वेंसिंग के दौरान पता चला। देश में जीनोम सिक्वेंसिंग से जुड़े एक वरिष्ठ वैज्ञानिक ने बताया कि भारत में बीक्यू.1 का यह पहला मामला है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी (एनआईवी) के एक वैज्ञानिक ने बताया कि यह ओमीक्रोन वेरिएंट का ही सब वेरिएंट है। इस साल जनवरी में ओमीक्रोन का पता लगने के बाद पूरी तरह से कोविड का कोई नया वेरिएंट सामने नहीं आया है। हालांकि इन सब वेरिएंट की वजह से भी कोरोना के मामले बढ़ सकते हैं। इसलिए इनकी अनदेखी नहीं की जा सकती है।

ओमीक्रोन के यह दो नए सब-वेरिएंट को लेकर विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि इनमें तेजी से फैलने की पूरी क्षमता है और दिवाली तक कोरोना के मामले काफी तेजी से बढ़ सकते हैं। विशेषज्ञों की मानें तो अगले कुछ दिनों को महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि दिवाली के आसपास लोगों की भीड़ एक साथ जुट रही है जिससे संक्रमण अधिक फैलने की आशंका है। नए वेरिएंट के मामले को देखते महाराष्ट्र राज्य के स्वास्थ्य विभाग

ने लोगों को सतर्क किया है। इसके साथ ही लोगों को सावधानी बरतने की अपील भी की है। राज्य स्वास्थ्य विभाग के सर्विलांस अधिकारी ने बताया कि नए सब वेरिएंट के केस पाए जाने के बाद सभी जिलों को अलर्ट कर दिया गया है। हाल ही में एक स्टडी के अनुसार ओमीक्रोन के बीए 2.75.2 वेरिएंट ब्लड में मौजूद एंटीबॉडी से खत्म नहीं होता है और कोविड-19 एंटीबॉडी संबंधी इलाज का भी इस पर असर नहीं होता है।

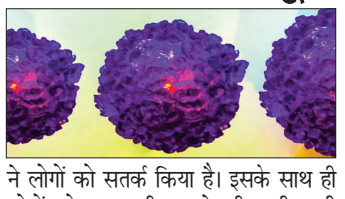

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गटर सफाई के दौरान दम घुटने से दो कर्मचारियों की मौत,एक की हालत गंभीर

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत,शहर की एवीएनआईटी कॉलेज से एक दर्दनाक घटना सामने आई है। कॉलेज में गटर की सफाई कर रहे दो कर्मचारी दम घुटने से बेहोश होकर गिर पड़े। कर्मचारियों को बचाने उतरे ठेकेदार भी गश खाकर गटर में गिर पड़ा। खबर मिलते ही फायर ब्रिगेड के जवान घटनास्थल पर पहुंच गए और तीनों को गटर से बाहर निकाला। हांलाकि तब तक दो कर्मचारियों की मौत हो चुकी थी। जबकि ठेकेदार की हालत गंभीर बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक मंगलवार को सूरत के पिपलोद स्थित एसवीएनआटी कॉलेज की सफाई करने दो कर्मचारी समेत ठेकेदार पहुंचा था। करीब 15 से 17 फूट गहरी गटर में पहले 42 वर्षीय कादिर इसाद मिया नामक कर्मचारी उतरा। गटर में उतरे कादिर के बेहोश होने पर उसे बचाने के लिए 14 वर्षीय सत्यम हरेन्द्र शाह नामक किशोर भी उतरा और वह भी बेहोश होकर वहीं गिर पड़ा। दोनों कर्मचारियों को बचाने के लिए ठेकेदार श्रवण बत्या गटर में उतरा, लेकिन उसके भी बेहोश होकर गिरने से तुरंत फायर ब्रिगेड को जानकारी दी गई। खबर मिलते ही फायर ब्रिगेड के जवान घटनास्थल पर पहुंच गए और ऑक्सीजन मास्क लगाकर गटर में उतरे और एक के बाद एक तीन लोगों को बाहर निकाल लिया। हांलाकि तब तक कादिर इसाद मिया और सत्यम हरेन्द्र शाह की मौत हो चुकी है। जबकि ठेकेदार श्रवण बत्या को गंभीर हालत में सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद सूरत की मेयर हेमाली बोघावाला अस्पताल पहुंच गई और श्रवण बत्या से मुलाकात कर उसे पर्याप्त उपचार सुविधा मुहैया कराने का आश्वासन दिया है। दूसरी ओर पुलिस ने पूरी घटना में लापरवाही बरतने वाले ठेकेदार श्रवण बत्या के खिलाफ मामला दर्ज करने की कवायद शुरू की है। हांलाकि श्रवण बत्या की हालत गंभीर बनी हुई है।

परम मल्टी स्पेशयालिटी अस्पताल के डॉक्टर के खिलाफ महिलाकर्मी ने लगाए छेड़छाड़ के आरोप

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत,शहर के लाल दरवाजा क्षेत्र स्थित अस्पताल के डॉक्टर के खिलाफ एक महिला कर्मचारी ने शारीरिक छेड़छाड़ की रिपोर्ट दर्ज करवाई है। महिला का आरोप है कि डॉ. चेतन पटेल पिछले काफी समय से उसे मैसेज और शारीरिक छेड़छाड़ करता है। चेतन पटेल की हरकतों के बारे में महिलाकर्मी ने अपने

का आरोप लगाते हुए पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है। जिसके आधार पर शहर की महिधरपुरा पुलिस ने आरोपी डॉक्टर को हिरासत में लेकर मामले की जांच शुरू की है। जानकारी के मुताबिक सूरत के लाल दरवाजा क्षेत्र परम मल्टी स्पेशयालिटी होस्पिटल में काम करनेवाली एक महिला कर्मचारी ने होस्पिटल के ही डॉ. चेतन पटेल के खिलाफ परिवार को बताया। जिसके बाद महिला के पति और उसके दोस्तों ने अस्पताल में जाकर हंगामा शुरू कर दिया1 इसकी जानकारी मिलते ही महिधरपुरा पुलिस अस्पताल पहुंच गई और मामले को शांत कराया। साथ ही महिलाकर्मी की शिकायत के आधार पर डॉ. चेतन पटेल को हिरासत में लेकर पुलिस ने मामले की जांच शुरूकी है।

सूरत के सचिन में पुलिस ने अवैध मवेशी वध करने वाले विक्रेता के यहां छापेमारी कर मांस किलो जब्त किया.

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

पुलिस ने सूरत में सचिन के समीप समरोद गांव से मिंडोला नदी तक सड़क किनारे नाले के किनारे एक अवैध पशु वध करने वाले व विक्रेता के यहां छापेमारी कर कुल मांस किलोग्राम मवेशी व एक बैल सहित कुल 10 लाख रुपये बरामद किया है. 39 हजार जब्त किया गया। जबकि खतकी और दो कारीगर भाग गए जिसकी तलाश जारी हैं,तौलने का कांटे सहित माल जब्त किया गया ।सूचना के आधार पर सचिन पुलिस ने समरोद गांव से मिंधोला नदी तक नदी के किनारे नाले के किनारे डेढ़ किलोमीटर की दूरी पर सड़क पर छापेमारी.

पुलिस के छापेमारी के दौरान पुलिस के छापेमारी के दौरान भीड़ इकट्ठी हो गई और पशु वध करने वाले खटकी मुनाफ उर्फ मुन्नो मोहम्मद सुरती (बाकी समरोद गांव, तालुका चोर्यासी सूरत) और उसके दो कारीगर साकिर और हिफी फरार हो गए.

केदारनाथ हेलिकॉप्टर दुर्घटना : भावनगर की पूर्वा ने वीडियो बनाकर पोस्ट किया और दूसरे ही क्षण हादसा हो गया

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
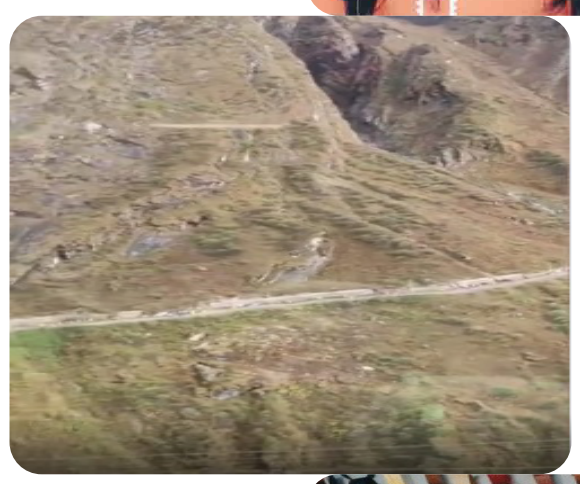
सोमवार को उत्तराखंड केदारनाथ में हेलिकॉप्टर दुर्घटना में 7 लोगों की मौत हो गई थी। हादसे का शिकार 7 लोगों में से तीन युवतियां गुजरात के भावनगर की थीं और उसमें दो चचेरी बहन थीं। इन तीन युवतियों में से एक दुर्घटना से पहले उडते हेलिकॉप्टर से वीडियो बनाकर पोस्ट किया था। वीडियो पोस्ट करने की दूसरी सैंकड में हेलिकॉप्टर क्रेश हो गया। भावनगर के देसाईनगर निवासी उर्व्री बारड और कृति बारड के अलावा भावनगर जिले की शिहोर में रहनेवाली पूर्वा रामानुज गत 14 अक्टूबर को अपने घर से केदारनाथ के लिए रवाना हुई थीं और 17 अक्टूबर के लिए हेलिकॉप्टर की बुकिंग करवाई थी। तीन युवतियों में उर्व्री और कृति बारड चचेरी बहन थीं। उत्तराखंड पहुंचने के बाद उत्तरकाशी से केदारनाथ जाने के लिए उर्व्री, कृति और पूर्वा हेलिकॉप्टर में सवार हुईं। केदारनाथ मंदिर में भगवान के दर्शन करने के बाद तीनों युवतियां हेलिकॉप्टर में वापस लौट रही थीं। उस वक्त पूर्वा रामानुज ने हेलिकॉप्टर से ही पहाड़ी क्षेत्र का वीडियो बनाया और उसे पोस्ट कर दिया। पूर्वा समेत उर्व्री व कृति ने सोचा भी नहीं होगा कि यह उनकी अंतिम यात्रा है। वीडियो पोस्ट करने के करीब 2 मिनट बाद ही केदारनाथ से केवल 2 किलोमीटर दूर गरूडचट्टी के निकट हेलिकॉप्टर क्रेश हो गया और उसमें आग लग गई। इस घटना में उर्व्री, कृति और पूर्वा की मौत हो गई। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने बेटियां खोने वाले परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की है। साथ ही परिवार को 4-4 लाख रुपए की सहायता राशि देने की घोषणा की है।